राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्टेटमेन्ट टुडे

RNI No: UPHIN/2016/67528 StatementToday @statement_today

वर्ष 9 अंक 24 लखनऊ, सोमवार 20 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 पृष्ठ 12 मूल्यः 2.00 रुपये

उप्र की राजधानी लखनऊ से प्रकाशित एवं लखनऊ, गोरखपुर, बुन्देलखण्ड, पटना, सीवान, गोपालगंज, दिल्ली से प्रसारित

करीना के बेटे तैमूर को नहीं पसंद एक्टिंग 3

टी20 विश्व कप 2026 की 20 टीमें तय 6

अखिलेश यादव ने 8 लोगों को दिलाई 9

अमृतसर–सहरसा गरीब रथ ट्रेन में आग

सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हादसा, महिला झुलसी, तीन एसी कोच चपेट में आए

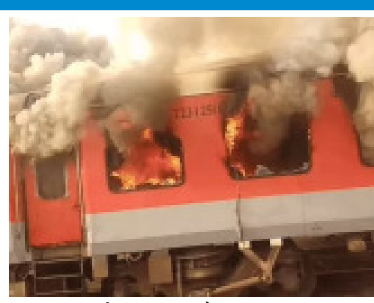

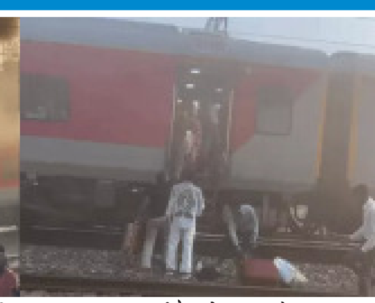

फतेहगढ़ साहिब (पंजाब)। पंजाब में शनिवार सुबह ट्रेन हादसा हुआ है। फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन में आग लग गई। इस घटना में एक महिला यात्री झुलस गई। इस घटना के बाद यात्रियों में हड़कंप मचा हुआ है। अमृतसर–सहरसा गरीब रथ (122०4, बिहार जाने वाली) ट्रेन में अचानक आग लग गई। ट्रेन के 2–3 एसी डिब्बों में आग लगने से यात्रियों में हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से एक महिला यात्री झुलस गई। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। चलती ट्रेन में आग की घटना फतेहगढ़ साहिब के सरहिंद रेलवे स्टेशन के पास हुई है। फतेहगढ़ साहिब के ब्राह्मणमाजरा के पास अचानक ट्रेन में आग लग गई। इस घटना के बाद वहां अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही नगर कौंसिल सरहिंद के दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। जानकारी के अनुसार यह आग शॉर्ट सर्किट से लगी हुई बताई जा रही है। ट्रेन का एसी डिब्बा (त्र19, 223125/ष्ट) बुरी तरह प्रभावित हुआ, जबकि 2 अन्य डिब्बों को भी नुकसान पहुंचा। उन्हें ट्रेन के बाकी हिस्सों से अलग कर दिया गया। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। हालांकि, ट्रेन से सामान निकालते समय एक महिला झुलस गई है। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल फतेहगढ़ साहिब भेजा गया है। आग का प्राथमिक कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है, क्योंकि प्रभावित डिब्बे इलेक्ट्रिक पैनल वाले डिब्बे के बगल में थे। स्थिति नियंत्रण में है। घटनाक्रम पर नजर रखी जा रही है।

गुजरात में नई कैबिनेट का शपथग्रहण

गांधीनगर,(एजेंसी)। मंत्रिपरिषद में कनुभाई देसाई, पुरषोत्तम सोलंकी, नरेश पटेल, अहमदाबाद की पूर्व डिप्टी मेयर दर्शना वाघेला, गुजरात भाजपा एससी मोर्चा के पूर्व प्रमुख प्रद्युमन वाजा, मोरबी विधायक कांतिलाल अमरुतिया और वडोदरा विधायक मनीषा वाकिल को भी शामिल किया गया है। गुजरात में नए मंत्रिपरिषद का आज शपथ ग्रहण समारोह हुआ। हर्ष सांघवी को राज्य का नया डिप्टी सीएम बनाया गया है। हर्ष सांघवी तीन बार के विधायक हैं और फिलहाल मजुरा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने 25 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलाई, जिसके बाद सीएम भूपेंद्र पटेल को मिलाकर मंत्रीपरिषद में 26 मंत्री हो गए हैं। पिछले साल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए विधायक अर्जुन मोढवाडिया को भी मंत्री बनाया गया है। विसनगर विधायक रुशीकेश पटेल, प्रफुल्ल पनशेरिया, कुंवरजी बावलिया को फिर से मंत्रीपरिषद में शामिल किया गया है।

दलित परिवार को डराया जा रहा : राहुल

फतेहपुर,(एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने फतेहपुर में हरिओम वाल्मीकि के परिजनों से मुलाकात की। हरिओम के परिजन राहुल से मिलकर भावुक हो गए। रायबरेली के ऊंचाहार में दो अक्तूबर को भीड़ ने चोर समझकर फतेहपुर के हरिओम को पीट-पीटकर मार डाला था। देखें तस्वीरें यूपी के फतेहपुर जिले में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार की सुबह रायबरेली के ऊंचाहार में मॉब लिंचिंग का शिकार हुए हरिओम वाल्मीकि के परिवार से काफी देर तक मुलाकात की। इस दौरान हरिओम के परिजन राहुल से मिलकर भावुक हो गए। बेटे हरिओम को खोने के बाद परिवार सदमे में है। राहुल गांधी ने संवेदना व्यक्त की और परिवार के सदस्यों का हाथ अपने हाथ में थाम लिया। मार्मिक मुलाकात के दौरान राहुल ने हरिओम के पिता को गले भी लगाया। कांग्रेस नेता के सामने हरिओम की मां फूट-फूटकर रोने लगीं। इसपर राहुल ने उनका हाथ थामकर ढांढस बंधाया। शुक्रवार सुबह जब कांग्रेस नेता मृतक हरिओम के घर पहुंचे तो शोकाकुल परिवार सदमे में डूबा था। राहुल गांधी ने हरिओम के पिता का न केवल हाथ थामा बल्कि उन्हें गले भी लगाया। हरिओम की मां के सामने भी राहुल गांधी भी भावुक हो गए। हरिओम की मां राहुल के सामने फफक पड़ीं। बेटे की मौत पर दुख जताया। कांग्रेस नेता ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें शांत कराया। इस दौरान राहुल गांधी ने परिवार को न्याय दिलाने और हर कदम पर उनका साथ देने का आश्वासन दिया। यूपी के रायबरेली जिले के ऊंचाहार में 2 अक्तूबर को चोर समझकर भीड़ ने बर्बरता से हरिओम वाल्मीकि की पिटाई की।

फास्ट न्यूज

आजम खान की रामपुर में तबीयत बिगड़ी

रामपुर। आजम खान की तबीयत बिगड़ गई। आजम जुमे की नमाज पढ़ने घर के पास की मस्जिद में गए थे। वहां उन्हें कमजोरी और घबराहट महसूस हुई। सांस लेने में दिक्कत होने लगी। नमाज पढ़ने के बाद आजम घर लौटे। घर के गेट पर तमाम लोग उनसे मिलने के लिए इंतजार कर रहे थे। लेकिन उन्होंने किसी से मुलाकात नहीं की। लोगों से आजम ने बस इतना कहा कि तबीयत ठीक नहीं है। फिर अंदर चले गए। थोड़ी देर बाद उनके फैमिली डॉक्टर घर पहुंचे और उनका इलाज कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि अगर सेहत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें दिल्ली ले जाया जाएगा।

एक दिन पहले आजम खान अपने एक मुकदमे की सुनवाई के लिए कोर्ट में पेश नहीं हुए थे। उनके वकील ने कोर्ट में हाजिरी माफी का प्रार्थना पत्र दिया था, जिसमें उनकी खराब तबीयत का हवाला दिया गया था। उनके घर के बाहर मौजूद लोगों ने बताया कि वे आजम खान से मुलाकात नहीं कर पाए। आजम खान जब जेल से बाहर आए तो उन्होंने तबीयत में खराबी बताई थी। कहा था– मेरी सेहत ठीक नहीं है। पहले कुछ दिन अपना इलाज कराऊंगा। इसके बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी।

भाकियू टिकैत ने मेरठ जिला मुख्यालय घेरा,हजारों किसान कर रहे प्रदर्शन

मेरठ। मेरठ में शुक्रवार को भाकियू (टिकैत) के कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी के नेतृत्व में जिला मुख्यालय का घेराव किया। किसानों का कहना है कि सरकार ने गन्ना भुगतान के लिए 14 दिन की समय सीमा तय की थी, लेकिन किनौनी चीनी मिल ने पिछले साल का भुगतान तक नहीं किया है। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में ही भाकियू कार्यकर्ता प्रदर्शन की तैयारी में खाना बनाते नजर आए। जिला अध्यक्ष अनुराग चौधरी ने कहा कि त्योहार के समय भी किसान को पिछले वर्ष का बकाया भुगतान नहीं मिल रहा है। ऐसे में वह अपने त्योहार नहीं मना पा रहा। बच्चों का एडमिशन कराने के लिए भी किसान को कर्ज लेना पड़ रहा है।

चुनाव आयोग बोला- एक्टर विजय की पार्टी मान्यता प्राप्त नहीं

चेन्नई। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को मद्रास हाईकोर्ट में कहा– एक्टर विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल नहीं है। टीवीके एक मान्यता प्राप्त राज्य पार्टी बनने के लिए जरूरी शर्तों को पूरा नहीं करती। हाईकोर्ट के चीफजस्टिस मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव की बेंच के सामने ईसीआई के वकील निरंजन राजगोपाल ने कहा किसी पार्टी को राज्य स्तर पर मान्यता पाने के लिए कम से कम 6: वैध वोट और विधानसभा की दो सीटें या लोकसभा की एक सीट जीतनी जरूरी होती है। कोर्ट ने ये बातें उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कही, जिनमें टीवीके को रद्द या गैर-मान्यता प्राप्त घोषित करने और करूर रैली घटना के लिए विजय के खिलाफएफआईआर में अतिरिक्त धाराएं जोड़ने की मांग की गई थी। दरअसल, 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में एक्टर विजय की रैली में हुई भगदड़ में 41 लोगों की मौत और 1०० से ज्यादा घायल हुए थे। मृतकों में 18 महिलाएं, 13 पुरुष और 1० बच्चे शामिल थे। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता (मदुरै बेंच में वकील) ने कहा कि रैली बहुत भीड़भाड़ वाली जगह पर आयोजित की गई थी। लापरवाही और नियमों के उल्लंघन के कारण यह दुखद घटना हुई। इसमें 4० से ज्यादा मौतें और कई घायल हुए। इसके अलावा, याचिका में चुनाव आयोग से टीवीके का पंजीकरण रद्द करने, राजनीतिक रैलियों में बच्चों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और अभिनेता विजय को पीड़ित परिवारों को प्रति परिवार 1 करोड़ रुपये मुआवजा देने का निर्देश देने की मांग की गई। सुप्रीम कोर्ट ने 13 अक्टूबर को करूर भगदड़ मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे।

स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने भरी पहली उड़ान, राजनाथ सिंह बोले-

मेरा सीना गर्व से चौड़ा हो गया

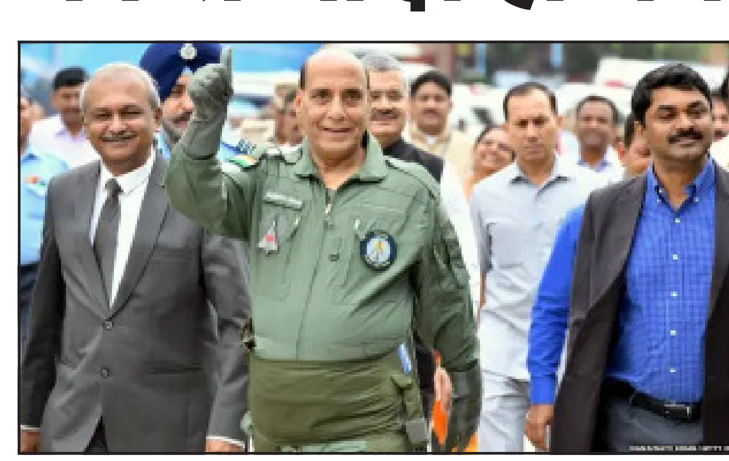

नासिक,(एजेंसी)। नासिक स्थित एचएएल की एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिविजन में हर साल आठ लड़ाकू विमानों का निर्माण करने की क्षमता है। इसके अलावा बंगलूरू में तेजस की दो प्रोडक्शन लाइन स्थित हैं, जहां हर साल 16 लड़ाकू विमान बनाए जा रहे हैं। भारत के स्वदेशी लड़ाकू विमान तेजस एमके1ए ने आज अपनी पहली उड़ान भरी। हिंदुस्तान एयरोनोटिक्स लिमिटेड के नासिक स्थित एयरक्राफ्ट मैन्युफैक्चरिंग डिविजन में यह उड़ान हुई। भारत में लड़ाकू विमान निर्माण की दिशा में यह अहम पल है। इस ऐतिहासिक पल का गवाह बनने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। राजनाथ सिंह आज एलसीए एमके1ए की तीसरी प्रोडक्शन लाइन और साथ ही एचटीटी-4० एयरक्राफ्ट की दूसरी प्रोडक्शन लाइन का भी उद्घाटन करेंगे।

पाकिस्तानी के हवाई हमले में तीन अफगान क्रिकेटरों की मौत

अफगानिस्तान ने त्रिकोणीय सीरीज छोड़ी; राशिद-नबी भड़के

तनाव बढ़ा, सीजफायर टूटा

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ हफ्तों से सीमा पर तनाव बढ़ा हुआ था। हाल ही में दोनों देशों ने दो दिन का युद्धविराम किया था, लेकिन पाकिस्तान के इस नए हमले ने शांति समझौते को तोड़ दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ।

राशिद खान बोले– अमानवीय और क्रूर हमला

अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे मानवता के खिलाफ बताया। उन्होंने कहा, मुझे हाल ही में हुए पाकिस्तानी हवाई हमलों में निर्दोष नागरिकों की मौत की खबर से गहरा दुख हुआ है। इस त्रासदी में महिलाओं, बच्चों और उन युवा क्रिकेटरों ने अपनी जान गंवाई जो एक दिन देश का नाम रोशन करना चाहते थे। उन्होंने कहा, यह हमला अमानवीय और क्रूर है। नागरिकों को निशाना बनाना मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन है। मैं एसीबी के सीरीज से हटने के फैसले का समर्थन करता हूं। हमारे लोगों की गरिमा किसी भी टूर्नामेंट से बड़ी है।

काबुल। अफगानिस्तान का यह फैसला खेल से ऊपर उठकर एक राष्ट्रीय गरिमा और संवेदना का प्रतीक बन गया है। राशिद खान, नबी और फारूकी जैसे खिलाड़ियों की आवाज से स्पष्ट है कि अफगानिस्तान अब केवल मैदान पर नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ भी मजबूती से खड़ा है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (ृष्टक्क) ने पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ होने वाली आगामी त्रिकोणीय सीरीज से अपना नाम वापस ले लिया है। यह फैसला पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान की सीमा में की गई हवाई कार्रवाई के बाद लिया गया, जिसमें तीन क्रिकेटरों की मौत हो गई। बताया गया कि पाकिस्तान ने पक्तिका प्रांत के उरगुन और बरमल जिलों में शुक्रवार को हवाई हमले किए, जिससे आठ लोगों की मौत और 1० से ज्यादा घायल हो गए। मरने वालों में दो बच्चे और तीन क्रिकेटर भी शामिल थे। हमारे खिलाड़ियों की शहादत व्यर्थ नहीं जाएगी अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए कहा, %अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड पक्तिका प्रांत के उरगुन जिले के उन बहादुर क्रिकेटरों की शहादत पर गहरा शोक प्रकट करता है, जिन्हें पाकिस्तानी शासन द्वारा किए गए एक कायराना हमले में निशाना बनाया गया।% एसीबी के मुताबिक, मारे गए तीनों खिलाड़ी कबीर, सिबघतुल्लाह और हारून, शराना में एक फ्रेंडली मैच खेलने के बाद अपने घर लौट रहे थे, जब यह हमला हुआ। एसीबी ने कहा, %इस दर्दनाक घटना में उरगुन जिले के तीन क्रिकेटरों समेत आठ लोगों की मौत हुई और सात घायल हुए। ये खिलाड़ी स्थानीय क्रिकेट मैच खेलकर लौट रहे थे, जब उन पर हमला हुआ।% त्रिकोणीय सीरीज से अफगानिस्तान का नाम वापस अफगानिस्तान ने यह भी पुष्टि की कि वह नवंबर 2०25 में पाकिस्तान में होने वाली त्रिकोणीय टी2० सीरीज में हिस्सा नहीं लेगा। इस सीरीज में पाकिस्तान और श्रीलंका शामिल थे। एसीबी ने कहा, %पीड़ितों के प्रति सम्मान और संवेदना के प्रतीक के रूप में, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी त्रिकोणीय सीरीज से हटने का फैसला किया है।% बोर्ड ने इस घटना को अफगान खेल जगत और क्रिकेट परिवार के लिए अपूरणीय क्षति बताया और मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। मोहसिन नकवी ने आईसीसी को लिखा था पत्र उधर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (क्कष्टक्क) के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने इस घटना से पहले ही ढ्ढष्टष्ट को पत्र लिखकर कहा था कि अगर अफगानिस्तान टीम सीरीज से हटती है तो वैकल्पिक योजना तैयार रखी जाए। अब जब अफगानिस्तान ने आधिकारिक तौर पर नाम वापस ले लिया है, तो देखना यह होगा कि आईसीसी और पीसीबी कौन-सी टीम को इस त्रिकोणीय टूर्नामेंट में शामिल करते हैं।

पढ़ लिख कर ही हम देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं: योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बाबा साहब डॉ भीमराव आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि पढ़ लिख कर ही हम देश और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री लखनऊ में आयोजित दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार दशमोत्तर एवं पूर्वदशम छात्रवृत्ति कार्यक्रम के अंतर्गत 1०,28,2०5 छात्र,छात्राओं को 297.95 करोड़ रुपये की धनराशि के हस्तांतरण हेतु आयोजित कार्यक्रम में योगी शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2०16-17 तक प्रदेश के अंदर केवल 46 लाख विद्यार्थी स्कॉलरशिप का लाभ पाते थे, आज यह संख्या बढ़कर 62 लाख तक पहुंच गई है।卐 योगी ने कहा कि छात्रवृत्ति का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना है ताकि वे अपनी ऊर्जा से समाज और राष्ट्र के विकास में सार्थक योगदान दे सकें। उन्होंने कहा कि आज लखनऊ में दशमोत्तर एवं पूर्वदशम के 1०,28,2०5 छात्र-छात्राओं को 297.95 करोड़ रूपये की छात्रवृत्ति का अंतरण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 卐हमारा संकल्प है कि किसी भी युवा, छात्र-छात्रा, खास तौर पर अनुसूचित जाति और जनजाति व अन्य पिछड़े वर्ग के विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे।卐 उन्होंने दीपावली से पूर्व मिले इस उपहार के लिए सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को हृदय से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। योगी ने कहा 卐बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी बार-बार कहते थे-पढ़-लिखकर ही हम स्वावलंबन का जीवन व्यतीत कर सकते हैं और अपने देश व समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने बाबा साहब के पढ़ाई के दिनों की चुनौतियों का स्मरण करते हुए कहा 卐आज पैसे की कमी नहीं है, छात्रों-छात्राओं की सुविधा के लिए सरकार ने अनेक कार्यक्रम प्रारंभ किए हैं। आज श्अभ्युदय कोचिंगश् के माध्यम से हर जनपद में बेहतरीन प्लेटफॉर्म उपलब्ध करवाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पिछले 11 वर्षों में चलाई गई योजनाओं का लाभ देश और प्रदेश को मिला है। योगी ने कहा कि देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से उबरकर सामान्य जीवन जीने का अवसर मिला है और उत्तर प्रदेश के छह करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया है। कार्यक्रम को समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने संबोधित किया और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सराहना करते हुए विभाग की सिलसिलेवार उपलब्धियां गिनाईं।

गुजरात में मुख्यमंत्री वही, कैबिनेट नई, हर्ष संघवी बने डिप्टी सीएम, रिवाबा जडेजा समेत 26 मंत्रियों ने शपथ ली, 19 नए चेहरे

गांधीनगर। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को 19 विधायकों को मंत्रियों के तौर पर शामिल कर मंत्रिपरिषद में फेरबदल किया और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी को उपमुख्यमंत्री बनाया। इसी के साथ पटेल समेत मंत्रिपरिषद में शामिल कुल नेताओं की संख्या 26 हो गई है। गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नए मंत्रियों के साथ-साथ उन नेताओं को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जिन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया है और राज्य मंत्रियों से राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया है। सूरत शहर के मुजारा विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले संघवी ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वह अब तक गृह राज्य मंत्री थे। संघवी और भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व वाले पिछले मंत्रिमंडल का हिस्सा रहे पांच अन्य विधायक मंत्रिपरिषद में बने हुए हैं। सभी 16 मंत्रियों ने हालांकि बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया था, लेकिन इन छह मंत्रियों के इस्तीफे मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किए। इन छह में से तीन-कनुभाई पटेल, ऋषिकेश पटेल और कुंवरजी बावलिया-पहले कैबिनेट मंत्री थे, जबकि संघवी, प्रफुल्ल पानसेरिया और पुरुषोत्तम सोलंकी राज्य मंत्री थे। इनमें से केवल संघवी और पानसेरिया ने शुक्रवार को दोबारा शपथ ली। संघवी को उपमुख्यमंत्री और पानसेरिया को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए

जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर दीवार ढहने से कश्मीर की लाइफलाइन ठप, यात्रियों को भारी परेशानी

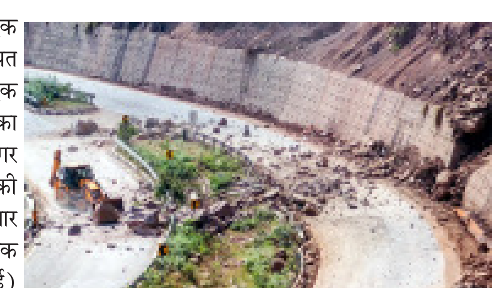

जम्मू,(एजेंसी)। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले में एक सुरक्षा दीवार का लगभग 4० मीटर हिस्सा ढहने से यातायात बुरी तरह बाधित हो गया है। एनएचएआई द्वारा मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है, लेकिन एक लेन बंद होने के कारण वाहनों की आवाजाही धीमी है, जिससे कश्मीर का सड़क संपर्क प्रभावित हुआ है। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा दीवार का एक हिस्सा ढह गया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दीवार का लगभग 4० मीटर हिस्सा और उससे सटी सावनी पंचायत संपर्क सड़क बृहस्पतिवार रात को ढह गई। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के परियोजना निदेशक शुभम यादव ने कहा कि पिछली दीवार का 4० मीटर हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, चार लेन वाले राजमार्ग का एक हिस्सा बंद कर दिया गया है। दीवार ढहने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है। अधिकारी ने बताया कि प्रभावित मार्ग को जल्द से जल्द यातायात योग्य बनाने के लिए मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। यातायात को वर्तमान में एक ही रास्ते के माध्यम से नियंत्रित किया जा रहा है, जिससे इस हिस्से पर आवाजाही धीमी हो रही है। उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में सावनी पंचायत संपर्क सड़क का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे संपर्क प्रभावित हुआ। एनएचएआई, जिला प्रशासन और यातायात विभाग के अधिकारी मौके पर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं ताकि और अधिक नुकसान को रोका जा सके और कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले सामरिक राजमार्ग पर यातायात का सुचारू प्रवाह किया जा सके।

शाह बोले– चुनाव बाद फैसला

पटना,(एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह के सीएम फेस को लेकर दिए गए बयान पर सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने तंज कसते हुए कहा है कि अब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। यह अमित शाह ने क्लियर कर दिया है। इधर, जीतन राम मांझी ने भी इस बात पर बयान दिया है। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में मुख्यमंत्री का चेहरा कौन होगा? यह अब तक तय नहीं हुआ है। गृह मंत्री अमित शाह के बयान के बाद यह बात साफहो गई है। गृह मंत्री अमित शाह से एक चौनल पर दिए गए इंटरव्यू में जब सवाल किया गया कि अगर बिहार चुनाव में एनडीए जीतता है तो क्या आप नीतीश कुमार बनाएंगे? तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि मैं भला कौन होता हूं किसी को मुख्यमंत्री बनाने वाला। इतनी सारी पार्टियों का गठबंधन है। बिहार चुनाव के बाद जब सभी दल एकजुट होंगे विधायक दल के नेता बैठेंगे तो अपना नेता तय कर लेंगे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही चुनाव लड़ रहा है नीतीश कुमार पर न सिर्फ भाजपा बल्कि बिहार की जनता को भी पूरा भरोसा है। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि मुख्यमंत्री कौन होगा? इसका फैसला विधायक दल के नेता आपस में बैठकर तय कर लेंगे। जीतन राम मांझी बोले- चुनाव से पहले तय हो जाना चाहिए था इधर गृह मंत्री अमित शाह के इस बयान के बाद सियासत गरमा गई कांग्रेस ने अमित शाह के इस बयान को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया और लिखा कि नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं बनेंगे। अमित शाह ने क्लियर कर दिया। वहीं एनडीए गठबंधन के घटक दल के प्रमुख केंद्रीय मंत्री जीतन मांझी ने कहा कि अमित शाह एनडीए के प्रमुख नेताओं में आते हैं।

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने मुस्लिम एक्टर जहीर इकबाल संग शादी की है. जिसके बाद वो अक्सर ट्रोलर्स के निशाने पर रहती हैं. वहीं करवाचौथ के दिन भी एक्ट्रेस को यूजर्स ने खूब खरी-खोटी सुनाई. दरअसल उन्होंने मस्जिद से पति संग फोटोज शेयर की, जिसे देख उनके फैंस भड़क गए हैं. करवाचौथ पर बुरी तरह ट्रोल हुईं सोनाक्षी सोनाक्षी सिन्हा ने पति जहीर इकबाल के साथ ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं. तस्वीरों में कपल अबू धाबी की फेमस शेख जायद ग्रैंड मस्जिद में नजर आ रहे हैं. तस्वीरें शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा, 'अबू धाबी में मिला थोड़ा सा सुकून.' अब करवाचौथ के दिन सोनाक्षी की ये पोस्ट शेयर करना यूजर्स को बिल्कुल रास नहीं आ रहा. कई यूजर्स ने एक्ट्रेस को करवा चौथ के दिन मस्जिद जाने पर ट्रोल करना शुरू कर दिया है. यूजर्स ने खूब लगाई एक्ट्रेस को लताड़ सोनाक्षी की फोटोज पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, 'करवा चौथ कर रही हो या हज पर गई हो?' वहीं दूसरे ने कहा, 'दीपिका पादुकोण ने कम किया था जो अब तुम पहुंच गई हो.' तीसरे ने लिखा, ये भी मुस्लिम बन गई है..',

एक ने तंज कसते हुए कहा, 'सोनाक्षी सिन्हा नहीं, सोना अली...' कई बार ट्रोल हो चुकी हैं सोनाक्षी सिन्हा बता दें कि ये पहली बार नहीं है, सोनाक्षी ने जब जहीर इकबाल से शादी की थी. तब भी एक्ट्रेस की खूब ट्रोलिंग हुई थी. लोगों ने एक्ट्रेस और उनकी फैमिली को खूब बातें सुनाई थी. सोनाक्षी और जहीर ने सात साल की डेटिंग के बाद एक-दूजे संग शादी की थी. दोनों ने मुंबई में रजिस्टर्ड मैरिज की थी. ये शादी बड़ी ही सादगी के साथ एक्ट्रेस के मुंबई वाले घर में हुई थी. जिसमें सोना ने अपनी मां पूनम सिन्हा की साड़ी पहनी थी.

करीना के बेटे तैमूर को नहीं पसंद एक्टिंग

एक्ट्रेस बोलीं- उसे लगता मैं विराट और रोहित शर्मा की दोस्त हूं, कहता है उन्हें मैसेज करो

करीना कपूर हाल ही में अपनी ननद और एक्ट्रेस सोहा अली खान के पॉडकास्ट का हिस्सा बनीं। इस दौरान उन्होंने पेरेंटिंग के कई पहलुओं पर खुलकर बात की। करीना ने अपने बड़े बेटे तैमूर से जुड़ी जानकारी भी शेयर की। एक्ट्रेस ने बताया कि तैमूर को एक्टर से ज्यादा क्रिकेटर पसंद हैं। तैमूर विराट कोहली और रोहित शर्मा का बड़ा फैन है। करीना ने पॉडकास्ट में कहा कि तैमूर अभी चीजों को एक्सप्लोर कर रहा है, लेकिन उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसे एक्टिंग में मजा नहीं आता है। उन्होंने कहा, श्टिम को ड्रामा या एक्टिंग में कोई दिलचस्पी नहीं है। हर बार जब उसे स्कूल में एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज चुननी होती, तो मैं लिस्ट पढ़कर और उससे पूछती हूं कि क्या तुम इस साल ड्रामा करना चाहते हो? वो नहीं कहता है। मैं जब वजह पूछती तो वो कहता, नहीं, मुझे इसमें मजा नहीं आता इसलिए मैंने उसे इसमें आगे नहीं बढ़ाया।श् सैफपर हुए हमले के बाद से कपल ने पैपराजी से रिक्वेस्ट की है कि वो उनके बच्चों- तैमूर,जेह की तस्वीरें न खींचें। करीना ने आगे बताया कि तैमूर को खिलाड़ियों के प्रति ज्यादा आकर्षण है। इसके अलावा वो कुकिंग क्लास ज्वाइन करना चाहता है क्योंकि सैफको खाना बनाना पसंद है। वह असल में

बाकी एक्टर से कभी नहीं मिला। वो पूछते रहता है, श्क्या आप रोहित शर्मा और विराट कोहली के दोस्त हो? क्या आप विराट को मैसेज भेजकर उनका बैट मांग सकती हो? क्या आपके पास लियोनेल मेसी का नंबर है?श् और इन सारे सवालों के जवाब में मैं कहती हूं कि नहीं, मेरे पास उनका नंबर नहीं हैं। उसे एक्टर के बारे में कोई जानकारी नहीं है। फिर वो पूछेगा, श्क्या मैं यह सवाल विराट से पूछ सकता हूं?श् और मैं कहती हूं, श्नहीं, मैं उसे नहीं जानती। आप उन्हें सिर्फ मैसेज नहीं कर सकते !श् करीना और सैफने कुछ साल तक डेट करने के बाद 2012 में शादी कर ली थी। कपल ने शादी के चार साल बाद दिसंबर 2016 में अपने बड़े बेटे तैमूर को जन्म दिया था। तैमूर जन्म के बाद से ही पैपराजी और मीडिया के लिए आकर्षण का केंद्र रहे हैं। वो पैपराजी के लिए फेवरेट स्टार किड हैं। पैपराजी उनके हर मूवमेंट को कैप्चर करती और वो आए दिन वायरल होते रहे हैं। वहीं, कपल ने साल 2021 की फरवरी में अपने छोटे बेटे, जहांगीर अली खान का स्वागत किया।

स्टेटमेन्ट टुडे
(राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक) लखनऊ
20 अक्टूबर 2025 सोमवार

संम्पादकीय........

जोहो से फायदा या उलझन

इस साल लाल किले से भाषण देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इसके बाद कई और मंचों से उन्होंने यही आग्रह किया कि हमें आत्मनिर्भर होना है तो विदेशी वस्तुओं का त्याग करना पड़ेगा। हालांकि यह त्याग केवल वस्तुओं तक सीमित नहीं रहा, अब तकनीकी में भी स्वदेशी पर जोर दिया जा रहा है। हाल ही में गृहमंत्री अमित शाह ने जानकारी दी कि उनका ईमेल अब जोहो पर शिफ्ट हो गया है। उनके अलावा कई और केन्द्रीय मंत्री और केन्द्रीय एजेंसियों के करीब 12 लाख कर्मचारियों के ईमेल सरकारी एनआईसी. इन से हटाकर प्राइवेट कंपनी जोहो पर शिफ्ट हो गये। इसमें प्रधानमंत्री कार्यालय भी शामिल है। डोमेन तो एनआईसी.इन या जीओवी.इन ही है, लेकिन स्टोरेज, एक्सेस और प्रोसेसिंग सब जोहो के जिम्मे रहेगा। हाल ही में शिक्षा मंत्रालय ने 3 अक्टूबर 2025 को आदेश जारी किया कि जोहो सूट का इस्तेमाल करो। तकनीकी में स्वदेशी का इस्तेमाल खुशी की बात है। दिवंगत प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने इस दिशा में अनुकरणीय काम किया है। और उनसे भी पहले 1976 में, जिस साल को केवल आपातकाल के लिए याद किया जाता है, प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने नेशनल इनफॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) की स्थापना की थी, जो डिजिटल इंडिया और ई-गवर्नेंस का आधार बनी। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एनआईसी भारत सरकार का प्रमुख आई टी संगठन है। एनआईसी ने डिजिटल क्रांति को संभव बनाया, लेकिन क्या अब इसे भी स्वदेशी के नाम पर तिलांजलि दी जा रही है, जबकि यह सच्चा स्वदेशी है। क्योंकि यह सरकारी उपक्रम है। जबकि जोहो एक निजी उपक्रम है, गूगल की तरह ही अगर सरकार को लगता है कि गूगल पर सब कुछ उपलब्ध होने से निजता का खतरा रहेगा, तो जोहो के साथ भी वही खतरा बरकरार रहेगा। बता दें कि 2022 में हैकर्स ने एम्स के 5 सर्वर और 1.3 टीबी से ज्यादा डेटा पर कब्जा कर लिया था। इससे सरकार को काफी नुकसान हुआ। तभी यह बात चली कि स्वदेशी संचार तंत्र होता तो ऐसा नहीं होता। इसके बाद स्वदेशी संचार तंत्र की तलाश में 2023 में केंद्रीय सूचना मंत्रालय ने सुरक्षित मेल सेवाएं देने के लिए टेंडर निकाले। टेंडर जोहो मेल ने जीता। नेशनल इंफॉर्मेटिक सेंटर ने 20 गोपनीय सुरक्षा मापदंडों पर जोहो मेल का ऑडिट किया। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल जैसी सुरक्षा एजेंसियों ने जोहो की स्वतंत्र सुरक्षा जांच की। इसके बाद जोहो पर भरोसा किया गया। 2023 में डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन के साथ 7 साल के अनुबंध बाद एनआईसी के डोमेन से पीएमओ समेत सभी सरकारी ईमेल जोहो पर चले गए। इसका मतलब है कि सरकारी फाइल्स और दस्तावेजों तक अब जोहो की पहुंच है। सरकार स्वदेशी की बात तो करती है लेकिन सॉफ्टवेयर की निजी कंपनी में स्वदेशी और परदेशी के बीच की जो महीन रेखा है, वो कब पार हो जाएगी, पता भी नहीं चलेगा। वैसे 1996 में बने जोहो कॉर्पोरेशन के कर्ताधर्ता श्रीधर वेम्बू की सरकार से नजदीकी छिपी हुई नहीं है। वे काफी हद तक संघ की विचारधारा के करीब हैं, हालांकि वे इसे स्वीकार नहीं करते हैं। कुछ समय पहले नंगे पैर चलने के स्वास्थ्य लाभ बताने वाली उनकी एक पोस्ट पर आलोचना हुई तो उन्होंने कहा था कि उन्हें संघी कहकर भी आलोचना की जाती है। ध्यान देने वाली बात ये है कि 22 नवंबर 2024 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 70वें राष्ट्रीय अधिवेशन में वेम्बू मुख्य अतिथि थे जो गोरखपुर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी में आयोजित था। वे इससे पहले चेन्नई में एबीवीपी संगमम में भी शामिल हुए थे। फरवरी 2019 में वेम्बू चेन्नई के आरएसएस आयोजन में मुख्य अतिथि थे। मोदी सरकार ने 2021 में वेम्बू को पद्मश्री से सम्मानित किया था। इसी साल वे अजीत डोभाल के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड में सदस्य बने और 2024 में यूजीसी के सदस्य बने। यह अघोषित तौर पर समझी हुई बात है कि मोदी सरकार में इस तरह की नियुक्तियां या सम्मान किन लोगों के हिस्से आता है। इसलिए जोहो पर सरकार की इतनी मेहरबानी पर अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या जोहो की आड़ में संघ की पूरी पहुंच देश से जुड़े संवेदनशील डेटा तक बना दी गई है। बता दें कि हाल ही में जोहो ने व्हाट्सऐप जैसा अरात्ती मैसेंजर लॉन्च किया है, तमिल में अरात्ती का मतलब बातचीत होता है। पहल अच्छी है, लेकिन निजता का सवाल उलझा हुआ है। सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी थी कि सिंगल टिक यानी संदेश भेजना, डबल टिक यानी मैसेज पहुंचना और अमित शाह की तस्वीर यानी मैसेज का पढ़ा जाना। याद रहे कि व्हॉट्सऐप पर मैसेज पढ़ने पर नीले टिक का प्रावधान है, लेकिन अरात्ती पर अमित शाह की तस्वीर का तंज कसकर आगाह किया गया कि आपके सारे संदेश यहां पढ़े जाएंगे।

एक नायाब साल

पहली नजर में बड़े पद की चमक-दमक का अपना सम्मोहन होता है, लेकिन हकीकत में जिम्मेदारी-जवाबदेही व विपरीत चुनौतियों में सामंजस्य बैठाना कांटों का ताज पहनने जैसा ही होता है। अंतहीन जन-अपेक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना उतना ही कठिन होता है। वैसे किसी सत्ता का एक साल बहुत लंबी अवधि नहीं होती। उसके आधार पर अंतिम मूल्यांकन करना भी जल्दबाजी ही कही जाएगी, लेकिन इससे किसी नेतृत्व या सरकार की दिशा-दशा को बोध तो हो जाता है। कमोबेश, यह कसौटी हरियाणा में एक साल पूरा कर रही नायब सैनी सरकार के लिये भी है। सामाजिक न्याय के समीकरण संतुलन की कवायद के क्रम में भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने वाले नायब सैनी की इस पद पर ताजपोशी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और तो एएसआई संदीप लाठर के घर भी परिवार को संबल देने गए। बहरहाल, ट्रिपल इंजन सरकार का लाभ नायब सैनी को जरूर मिला है। कई विकास योजनाएं कायदे से सिरे चढ़ी हैं। लेकिन लाडो लक्ष्मी योजना ट्रंप कार्ड साबित हुई है। विधानसभा चुनावों में इस योजना के वायदे का छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र चुनावों की तर्ज पर हरियाणा में भी भाजपा को खासा लाभ मिला। मिले परिणामों ने तमाम कयासों को निरर्थक साबित किया। हर जरूरतमंद महिला को सरकार की तरफ से 21 सौ रुपये मिलना, उन्हें आर्थिक स्वावलंबन देना ही है। पहले चरण में बाइस लाख महिलाओं को इस योजना का लाभ मिलेगा। निस्संदेह, कमजोर वर्ग के लोगों के लिये अपनी छत का सपना पूरा करना एक दुष्कर कार्य है। हरियाणा सरकार ने दस हजार से अधिक आबादी वाले महाग्रामों में गरीबों को

पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद रही है। जब नरेंद्र मोदी चंडीगढ़-हरियाणा में संगठन का दायित्व निभा रहे थे, तो सैनी उनके कार्यालय सहयोगी थे। इस मायने में बिना राजनीतिक व समृद्ध आर्थिक पृष्ठभूमि के राज्य के मुख्यमंत्री पद तक पहुंचने को एक बड़ी कामयाबी कहा जा सकता है। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी सदाबहार मुस्कान-विनोदप्रियता के कायल रहे हैं। वे विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं को सम्मान सार्वजनिक रूप से देते नजर आते हैं, लेकिन पिछले विधानसभा सत्र में मुद्दों पर विपक्षी नेताओं को आड़े हाथों लेने से भी वे नहीं चूके। वैसे तो उनके एक साल के कार्यकाल में कई चुनौतियां सामने आती-जाती रही हैं, लेकिन हाल ही में एडीजीपी वाई.पूरन कुमार व एएसआई संदीप लाठर की आत्महत्या ने सरकार के सामने असहज स्थिति व बड़ी चुनौती पेश की। हालांकि, देर से ही सही फौरी तौर पर मामले का पटाक्षेप हुआ, लेकिन इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुद्दे की संवेदनशीलता को महसूस कर कदम बढ़ाए। एडीजीपी द्वारा आत्महत्या की खबर उन्हें जापान दौरे के दौरान मिली तो उन्होंने दौरे में शामिल उनकी पत्नी अमनीत को अधिकारियों के साथ तुरंत भारत भेजा। भारत आते ही खुद भी वे सीधे एडीजीपी के घर संवेदना व्यक्त करने पहुंचे, पचास-पचास गज व छोटे गांवों में सौ-सौ गज के प्लाट उपलब्ध कराये। शहरों में ये 25 गज के रहे। वहीं प्रधानमंत्री आवास निर्माण योजना के तहत मिलने वाले ढाई-ढाई लाख रुपये ने उनके घर के सपने को हकीकत बनाया। मुख्यमंत्री नायब सैनी की खासियत लोगों के साथ सहज उपलब्धता है। उनकी सुबह कबीर कुटीर में जन संवाद से शुरू होती है और रात फाइलों के साथ खत्म होती है। जनता के लिये सहज उपलब्धता और निरंतर संवाद लोकतंत्र की अपरिहार्य शर्त होती है। उनके चंडीगढ़ आवास में सुबह से ही मिलने वाले लोगों का तांता लगा रहता है। निस्संदेह, आम जन ही सरकार को बेहतर फीडबैक दे सकते हैं, जो नौकरशाही की जटिलताओं के चलते सहज अभिव्यक्ति नहीं दे पाते। बेरोजगारी की समस्या किसी भी सरकार के लिये बड़ी चुनौती होती है। राज्य में चौबीस हजार बेरोजगारों को ग्रुप सी की नौकरियां देना राज्य सरकार की उपलब्धि के तौर पर देखा गया। वहीं लोकसेवा आयोग के माध्यम से 1311 पदों पर चयन और एचकेआरएन पोर्टल को पारदर्शी भर्ती प्रणाली के रूप में विकसित करना, राज्य सरकार की रोजगार के साथ स्थायित्व की नीति का संकेत माना जा सकता है। विश्वास किया जाना चाहिए कि नायब सरकार आने वाले चार सालों में जनाकांक्षाओं की कसौटी पर पूरी तरह खरी उतर पाएगी।

सत्य के सच की मीमांसा, सत्य की सार्वभौमिकता सदैव शाश्वत

संजीव ठाकुर

मनुष्य का समग्र विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, असीम उत्साह, जिजीविषा और निरंतर उन्नति की आकांक्षा का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति के विकास-पथ पर मूल्यों का पुनर्संयोजन और परिवर्तन सृष्टि का स्वाभाविक क्रम है, क्योंकि परिवर्तन ही प्रकृति का सनातन नियम है। विकास के पथ पर धन की भूमिका अवश्य है, परंतु जब धन स्वयं लक्ष्य बन जाए तो वह दिशा को दिग्भ्रमित कर देता है। परिस्थितियों, आवश्यकताओं और युगीन दर्शन के अनुरूप समाज का दृष्टिकोण निरंतर परिवर्तित होता रहता है, किंतु सत्य कृ वह तत्व है जो समय, देश, समाज, धर्म और संस्कृति से परे, सर्वकालिक और सर्वमान्य बना रहता है। आदिकाल से ही मानव जीवन में धन और सत्य दोनों की अपनी विशिष्ट भूमिका रही है। धन जीवन की सुविधा का साधन है, जबकि सत्य उसके अस्तित्व का आधार। धन का महत्व है, परंतु धनबल सब कुछ नहीं। सत्य वह दिव्य आलोक है जो अंधकार के पार भी अपनी ज्योति बनाए रखता है। महात्मा गांधी ने कहा था कृ 卐सत्य ही ईश्वर है और ईश्वर ही सत्य।卐 गांधीजी का सम्पूर्ण जीवन इस उद्घोष का साक्षात् रूप था। उन्होंने यह सिद्ध किया कि सत्य केवल सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवन की जीवन्त ऊर्जा है। स्वामी विवेकानंद भी कहते हैं कृ 卐सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीम बल प्रदान करती हैय जो सत्य का पालन करता है, उसे कोई भी शक्ति रोक नहीं सकती।卐 वेदों और उपनिषदों में भी सत्य को सर्वोच्च मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है। 卐सत्यमेव जयते नानृतं卐 कृ (मुंडक उपनिषद) कृ यह केवल वाक्य नहीं, भारतीय जीवन-दर्शन का सार है। भारतीय परंपरा में सत्य को मन, वचन और कर्म की एकता में देखा गया है कृ 'सांच को आंच नहीं' जैसी लोक कहावतें इसी शाश्वत सत्य की जनभाषा में व्याख्या हैं। महात्मा बुद्ध ने कहा कृ 卐तीन बातों को लंबे समय तक छिपाया नहीं जा सकतारू सूर्य, चंद्रमा और सत्य।卐 सुकरात ने भी सत्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, पर अपने सिद्धांत से विचलित नहीं हुए। इमैनुएल कांट ने अपनी नैतिक दार्शनिकता में कहा कृ 卐सत्य बोलना नैतिक कर्तव्य है, चाहे उसके परिणाम कुछ भी हों।卐 लियो टॉलस्टॉय ने इसे मानवीय आत्मा की सर्वोच्च अवस्था माना कृ 卐सत्य वही है जो आत्मा को स्वतंत्र करता है।卐 वेदों में कहा गया है कृ 卐सत्य का सुख स्वर्ण-पात्र से ढका हुआ है।卐जब धन मुखर होता है, तब सत्य नेपथ्य में चला जाता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब धनबल और वैश्विक स्तर पर इतना बढ़ा कि समाज, राजनीति, धर्म, यहां तक कि शिक्षा और अध्यात्म भी

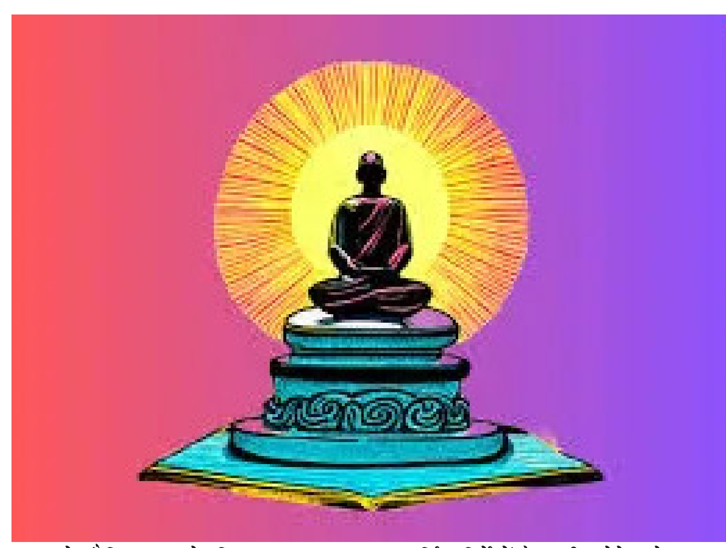

सत्ता ने नैतिकता को निगला, तब-तब सभ्यताओं ने पतन देखा है। धन का अतिरेक समाज को नैतिक भ्रम में डाल देता हैय भोग और उपभोग की संस्कृति में त्याग, संयम और संतुलन जैसे मूल्य विलुप्त होते जाते हैं। पश्चिमी औद्योगिक क्रांति के पश्चात धन का प्रभाव आर्थिक निर्देशों के अधीन होते चले गए। आज धन का नियंत्रण इतना व्यापक है कि राजनीति, न्यायपालिका, मीडिया कृ सब उसके प्रभाव क्षेत्र में हैं। न्याय भी अब महंगा हो गया है कृ जैसे विवेक की जगह अब मूल्य (च्तपबम) ने ले ली हो। परंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सत्य का दमन कभी स्थायी नहीं होता। धन के पास सत्ता है, पर सत्य के पास स्थायित्व। धन आकर्षक है, पर सत्य आत्मिक। धन बदलता है, सत्य बना रहता है। आधुनिक वैश्वीकरण के इस युग में जब सब कुछ खरीदा-बेचा जा सकता है, तब भी सत्य की किंमत लगाना असंभव है। अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कृ जो सत्य की खोज में नहीं है, वह जीवन की सबसे बड़ी यात्रा से वंचित है।रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में कृ सत्य ही ईश्वर का दूसरा नाम हैय जो सत्य को जानता है, वही ईश्वर को जानता है। आज का युग धन, सत्ता और प्रभाव का युग अवश्य है, पर वह मानवता का युग तभी बनेगा जब उसमें सत्य का आलोक व्याप्त होगा। सत्य जीवन का शाश्वत आधार है कृ यह किसी ग्रंथ, धर्म या राष्ट्र की सीमा में बंधा नहींय यह मानव चेतना की आत्मा है। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो, तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है। सत्य ही वह शक्ति है जो मानवता को जोड़ती है, उसका मार्ग आलोकित करती है और हर युग में उसे पुनः जाग्रत करती है। धन के युग में भी सत्य ही मानव सभ्यता का अंतिम और सर्वोच्च विजेता है।सत्यमेव जयते।

आज हम आपको कुछ ऐसे आम कारणों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके कारण सेक्ष्शुअल इंटरकोर्स के दौरान दर्द का अनुभव हो सकता है। इसके लिए आपको यह जानना जरूरी है कि आप थोड़ी देखभाल करके अपने शरीर पूरी तरह से हेल्दी रख सकती हैं।

सेक्शुअल रिलेशन का अनुभव हमेशा सुखद होना चाहिए, लेकिन कई महिलाओं के लिए यह दर्द की वजह बन सकता है। हालांकि सेक्ष्शुअल इंटरकोर्स के दौरान होने वाला दर्द आम है। जिसको अक्सर महिलाएं अनदेखा कर देती हैं या फिर इसके बारे में खुलकर बात करने से हिचकिचाती हैं। असल में यह दर्द ऐसा संकेत होता है, जो बताता है आपका शरीर आपसे कुछ कहना चाहता है और इस बात पर ध्यान देने की जरूरत है। हालांकि आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस परेशानी का समाधान भी आसानी से हो सकता है।

ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे आम कारणों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके कारण सेक्ष्शुअल इंटरकोर्स के दौरान दर्द का अनुभव हो सकता है। इसके लिए आपको यह जानना जरूरी है कि आप थोड़ी देखभाल करके अपने शरीर पूरी तरह से हेल्दी रख सकती हैं।

सेक्ष्शुअल इंटरकोर्स के समय दर्द की 5 वजह

वेजाइनल ड्राईनेस

वेजाइना में ड्राईनेस सबसे आम वजहों में से एक है। ऐसे में पर्याप्त लुब्रिकेशन न होने पर घर्षण की वजह सेक्सुअल इंटरकोर्स के दौरान दर्द हो सकता है।

पेल्विक फ्लोर में तनाव

पेल्विक फ्लोर की मसल्स के अधिक तनाव में होने पर सेक्शुअल इंटरकोर्स के समय दर्द हो सकता है।

हार्मोनल असंतुलन

डिलीवरी के बाद या फिर पेरिमेनोपॉज के दौरान हार्मोनल बदलाव होने से योनि के ड्राईनेस और दर्द की वजह बन सकते हैं।

एंडोमेट्रियोसिस या फाइब्रॉएड

यह एक ऐसी मेडिकल कंडीशन्स हैं, जो सेक्ष्शुअल इंटरकोर्स के दौरान दर्द की वजह बनती हैं। एंडोमेट्रियोसिस में यूट्रस के अंदर की परत का टिश्यू बाहर बढ़ने लगता है। इसके लक्षणों में पीरियड्स में दर्द, हैवी ब्लीडिंग और कभी-कभी सेक्शुअल रिलेशन के दौरान दर्द भी शामिल है।

वैजिनीस्मस

बता दें कि इसमें योनि की मसल्स तब कस जाती है, जब कुछ भी प्रवेश की कोशिश करता है, जैसे सेक्शुअल रिलेशन या टैम्पोन के दौरान। इससे हल्के से लेकर तेज दर्द हो सकता है।

दर्द दूर करने के 2 उपाय

हर समस्या का एक समाधान है और सबसे जरूरी है कि इसके प्रति सही जागरुक होना और सहायता लेना। इस दर्द को कम करने के साथ सेक्सुअल रिलेशन को बेहतर बनाने के लिए आप 2 स्पेशल योगासन कर सकती हैं। यह शरीर की मसल्स को आराम देंगे और तनाव को भी कम करेंगे। आप इन आसन को बिस्तर पर लेटे-लेटे आराम से कर सकती हैं।

हैप्पी बेबी पोज

यह योगासन बेहद आसान है और आप आसानी से इस आसन को घर पर कर सकती हैं। इसको श्हैप्पी बेबी पोजश् इसलिए भी कहा जाता है, क्योंकि इसको करते समय आपके शरीर की आकृति खुश और झूमते हुए बच्चे की तरह हो जाती है।

हैप्पी बेबी पोज उन महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद है, जिनको सेक्शुअल रिलेशन के दौरान दर्द होता है। यह आसन पेल्विक फ्लोर की मसल्स को ढीला करने के साथ हिप्स को खोलने में मदद करता है। इस आसन को करने से पेल्विक फ्लोर में तनाव, योनि ड्राईनेस और हार्मोनल असंतुलन के कारण होने वाले दर्द से राहत दिला सकता है।

इसे करने के लिए पीठ के बल लेट जाएं।

घुटनों को चेस्ट की ओर मोड़ें।

हाथों से पैरों के बाहरी हिस्से को पकड़ें।

पैरों को धीरे-धीरे फैलाएं और हाथों से नीचे की ओर स्ट्रेच करें

धीरे-धीरे बाएं से दाएं हिलें और सांस लेते रहें।

इस मुद्रा में 30-60 सेकंड तक रहें।

लेग्स अप द वॉल

बता दें कि यह भी आसानी से किए जाने वाला योगासन है, जोकि शरीर को शांत करने के साथ पेल्विक एरिया में ब्लड सर्कुलेशन को सही करता है।

यह आसन पेल्विक फ्लोर के तनाव को कम करने में असरदार है। अगर आपको सेक्ष्शुअल रिलेशन के दौरान वैजिनीस्मस, एंडोमेट्रियोसिस या फाइब्रॉएड के कारण दर्द होता है, तो लेग्स अप द वॉल को रोजाना करें।

इस आसन को करने के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं।

फिर हिप्स को दीवार से सटाकर पैरों को सीधा ऊपर की तरफ उठाएं, जिससे कि पैर दीवार पर टिक जाएं।

अब अपनी बाजुओं को शरीर की साइड में रखें।

फिर इस मुद्रा में 3 से 5 मिनट तक रहें और धीमी और गहरी सांस लेती रहें।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

भागदौड़ भरी जिंदगी में मोटापे और बीमारियों से बचने के लिए डॉक्टर ने 3 आसान नियम सुझाए हैं, जो शरीर के साथ दिमाग को भी स्वस्थ रखते हैं। इसमें सिर्फ दिन में खाना, भोजन की संख्या तय करना और 21 दिन तक निश्चित समय पर भोजन करना शामिल है ताकि दिमाग इसे आदत बना ले। यह रूटीन आपके मेटाबॉलिज्म को भी ट्रेन करता है।

भागदौड़ भारी जिंदगी में लोगों के पास अपनी सेहत को बेहतर रखने और खुद को फिट रखने के लिए भी समय नहीं है। जिससे कई तरह की बीमारियां घेर रही हैं।

मोटापा भी बढ़ने लगता है। मोटापे से डायबिटीज और दिल की बीमारियों का खतरा बन जाता है। खराब लाइफस्टाइल और गलत खानपान के कारण लोगों में मोटापा बढ़ रहा है। यदि आपका रुटीन सही होगा कि आप एकदम फिट रहेंगे। आज के समय में लोग मोटापे की समस्या से जूझ रहे हैं। वजन कम करने की बात आती है, तो ज्यादातर लोग सबसे पहले अपनी डाइट बदलने या जिम जॉइन करने पर ध्यान देते हैं। डॉक्टर के मुताबिक, वजन केवल शरीर से नहीं, बल्कि दिमाग से भी जुड़ा होता है। अगर आप अपने रुटीन में इन 3 को जरुर शामिल करें।

वजन कंट्रोल के लिए 3 आसान स्टेप्स

- पहला स्टेप- आपको यह नहीं सोचना चाहिए क्या खाना है, बल्कि ये सोचना है कि कब खाना है, दिन में आप तभी खाना खाएं जब सूर्य निकला हो। सूरज ढलने के बाद कुछ नहीं खाएं।

- दूसरा स्टेप- आपको तय करना है कि दिन में कितनी बार खाना चाहिए। एक बार या दो बार या फिर तीन बार खाना है। हालांकि, बीच में स्नैक्स या बार-बार कुछ नहीं खाना है।

- तीसरा स्टेप- स्टार्टिंग में अपने खाने की चीजें बदलें नहीं। लेकिन टाइमिंग पर ध्यान नहीं देना है। प्रत्येक दिन समय पर खाना खाएं और इसे 21 दिन तक जारी है।

21 दिन तक ऐसा करने से क्या होगा

डॉक्टर ने बताया है कि इन 3 रुल्स को आप नियमित रुप से 21 दिन तक फॉलो करेंगे, तो आपका दिमाग इसे एक आदत के रुप में स्वीकार करेगा। यह आपका हेल्दी रुटीन बन जाएगा। ये रुटीन केवल शरीर नहीं, बल्कि आपके दिमाग और मेटाबॉलिज्म को भी ट्रेंड करता है।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

कॉपर टी के कई संभावित साइड इफेक्ट्स सामने आए हैं, जिनमें मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक दर्द और ब्लीडिंग, सफेद डिस्चार्ज, और गलत तरीके से लगने पर गर्भाशय में चोट शामिल हैं। यह डिवाइस कभी-कभी एलर्जी और योनि में खुजली का कारण भी बन सकता है, जिससे महिला स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

ज्यादातर महिलाएं अनचाही प्रेग्नेंसी को रोकने के लिए कॉपर टी लगवा लेती हैं। लेकिन बाद में इसके कई नुकसान देखने को मिलते हैं। दरअसल, कॉपर टी फीमेल बर्थ कंट्रोल का काफी सेफऔर हेल्दी तरीका माना जाता है। हालांकि, यह पूरी तरह से सेहत के लिए सेफभी नहीं है। कॉपर टी लगवाने से अनचाही प्रेग्नेंसी से बचाव हो जाता है। लेकिन देखा गया है कि ज्यादातर महिलाओं को दिक्कते झेलनी पड़ती है। आपको बता दें कि, कॉपर टी एक तरह का छोटा सा डिवाइस है जो तांबे यानी कॉपर और प्लास्टिक को मिलाकर बना बुआ है। इस डिवाइस को गर्भाशय पर लगाया जाता है। यह कॉपर टी प्रेग्नेंसी को रोकता है। जब महिला को प्रेग्नेंट होना चाहती हैं, तो इसे निकलवाकर प्रेग्नेंट हो सकती हैं। खासतौर पर कॉपर टी लगवाने से महिलाओं को शारीरिक रुप से कई सारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। आइए आपको बताते हैं कॉपर टी लगवाने से क्या नुकसान होते हैं।

कॉपर टी के साइड इफेक्ट

- आमतौर पर देखा गया है कि कॉपर टी सही जगह पर न लगी हो, तो इससे कई सारी परेशानियां देखने को मिलती हैं।

- पेट के निचले हिस्सा में दर्द होता है।

- व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या उत्पन्न हो जाती है।

- लोअर एब्डॉमिनल में डिसकंफर्ट महसूस होता है।

- गलत तरीके से कॉपर टी लगने के कारण डिसकंफर्ट होता है और यूरिन पास करने में भी काफी दिक्कत होती है।

सेक्सुअल इंटरकोर्स के दौरान ब्लीडिंग

अगर कॉपर टी लगवाने के बाद वे अपनी जगह से मिसप्लेस हो जाए तो कई बार देखा जाता है कि सेक्सुअल इंटरकोर्स के दौरान ब्लीडिंग होने लगती है। जिसके तेज दर्द भी होने लगता है।

सीधा फाइनल के लिए खेलेगी पुणेरी पल्टन, प्रो कबड्डी लीग की अंक तालिका की पूरी जानकारी

प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन का आयोजन अब अपने आखिरी सफर पर पहुंच गया है। इस सीजन में कुल 12 टीमें खेल रही हैं। हर टीम लीग स्टेज में 18-18 मैच खेलेंगी। मतलब लीग स्टेज में कुल 108 मैच खेले जाएंगे। बुधवार, 15 अक्तूबर तक 87 मैच खेले जा चुके हैं। 21 मैच खेले जाने हैं लेकिन टॉप 2 में पुणेरी पल्टन ने अपना स्थान पक्का कर लिया है। प्रो कबड्डी लीग 2025 में लीग स्टेज के मुकाबले 23 अक्तूबर तक खेले जाएंगे। सभी मैच दिल्ली के त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले जाएंगे। फॉर्मेट की बात करें तो सभी टीमें 18-18 मैच खेलेंगी। अंक तालिका में टॉप-2 पर जो टीमें होंगी। उन्हें सीधा फाइनल में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। यानी दोनों के बीच क्वालिफायर 1 खेला जाएगा। जीतने वाली टीम फाइनल में जाएगी और हारने वाली को एक और मौका मिलेगा। अंक तालिका में तीसरे और चौथे स्थान की टीम मिनी क्वालीफायर के लिए क्वालीफाई करेंगी। जबकि 5वें और 8वें स्थान की टीम प्ले इन के क्वालीफाई करेंगी। 9 से 12वें स्थान की टीमों का सफर लीग स्टेज से ही खत्म हो जाएगा। अंक तालिका के बाद आपको प्रो कबड्डी लीग के फॉर्मेट की डिटेल में जानकारी दी गई है।

संजू सैमसन ने रणजी ट्रॉफी में खेली वनडे जैसी पारी, टीम मैनेजमेंट को बल्ले से दिया कड़क जवाब

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफवनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया में जगह नहीं मिली। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 10 साल भी पूरे कर लिए। लेकिन एक दशक में उन्हें बेहद ही कम मौके मिले हैं। उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में चुना गया है। अब संजू सैमसन ने रणजी ट्रॉफी 2025 के पहले मुकाबले में महाराष्ट्र के खिलाफअपनी अर्धशतकीय पारी से बता दिया कि वह टी20 के अलावा लंबे फॉर्मेट के खिलाड़ी भी हैं। भारत के लिए 16 वनडे मुकाबले खेलने के बाद भी संजू को वनडे सीरीज में नहीं चुना गया था। अब रणजी ट्रॉफी में उन्होंने 51 गेंदों पर फिफ्टी जड़ी और अपनी टीम के स्कोर 35 पर 3 विकेट से आगे बढ़ाया। उन्होंने चौथे विकेट के लिए सचिन बेबी के साथ मिलकर 40 और कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ पांचवें विकेट के लिए 57 रन जोड़े। इस दौरान उनकी पारी में 5 चौके और एक छक्का भी शामिल है। उन्होंने 63 गेंदों पर 54 रनों की पारी खेली। उन्होंने अमूमन इस पारी को 85 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से खेला। उनका वनडे में करियर स्ट्राइक रेट है 99.61। उन्होंने 16 वनडे मैचों में भारत के लिए एक शतक और तीन फिफ्टी समेत 510 रन बनाए हैं। वहीं टी20 इंटरनेशनल में वह टीम इंडिया के लिए 49 मैचों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी जड़ चुके हैं और 993 रन भी बना चुके हैं।

पर्थ में होगी भारत-ऑस्ट्रेलिया की भिड़ंत, जानें दोनों टीमों के स्क्वॉड, पिच रिपोर्ट और हेड टू हेड रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का आगाज रविवार 19 अक्टूबर से होने जा रहा है। पहला मुकाबला पर्थ स्टेडियम में खेला जाएगा। इस मुकाबले में सभी की नजरें भारतीय वनडे टीम के नए कप्तान शुभमन गिल पर तो होंगी ही। साथ ही लंबे समय बाद भारतीय जर्सी में लौटे रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी सभी का विशेष ध्यान होगा। अगर पर्थ स्टेडियम की बात करें तो यहां कि पिच को दुनिया की सबसे तेज और उछाल भरी पिच के रूप में जाना जाता है। तेज गेंदबाजी के लिए ये पिच खतरनाक साबित होती है। यानी बल्लेबाजों को यहां दिक्कत हो सकती है। ये मैदान हालांकि, पर्थ के पुराने वाका क्रिकेट ग्राउंड की से अलग है। यहां भारत ने एक भी वनडे मैच नहीं खेला है। जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम यहां तीन वनडे खेली है और एक में भी उसे जीत नहीं मिल पाई है। जबकि 2024 में भारत ने यहीं टेस्ट मैच जीता था। पिच और मौसम का हाल अगर पर्थ के इतिहास की बात करें तो वाका की पिच खूनी से सनी हुई बताई जाती थी। क्योंकि वो दुनिया की सबसे खतरनाक,तेज और उछाल भरी सतह थी। लेकिन ऑप्टस स्टेडियम में ड्रॉप इन पिचों का इस्तेमाल किया गया। इसका मतलब है कि, यहां कि पिच की सतह उछाल भरी है और तेज गेंदबाजों को यहां मदद मिलती है। यहां अभी तक तीन मैच हुए हैं दो बार बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। क्योंकि कहा जाता है कि जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता है तो पिच का पेस और उछाल सीमित हो जाता है। इस कारण बल्लेबाजी आसान हो जाती है। ऐसे में टॉस जीतने वाला कप्तान पहले गेंदबाजी चुन सकता है। पर्थ की पिच की जो ताजा तस्वीर के अनुसार, पिच पर घास दिख रही है। जिससे तेज गेंदबाज खुश हो सकते हैं। वहीं मौसम की बात करें तो मैच के दिन पर्थ में दिन के समय 60 प्रतिशत और रात के वक्त 40 प्रतिशत बारिश के आसार हैं। यानी इस कारण ओवरकास्ट कंडीशन बनी रहेगी और तेज गेंदबाजों को ज्यादा मदद मिल सकती है। बल्लेबाजों को ऐसे वक्त संभलकर खेलना पड़ सकता है। ऑस्ट्रेलिया में ये सर्दियां जाने का समय है और इस वक्त बारिश भी मौका होती है। इसलिए ये कहना गलत नहीं होगा कि बारिश मैच में खलल डाल सकती है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे में हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो 152 मैच अभी तक दोनों टीमों ने खेले हैं। इसमें में 58 में भारत को जीत मिली है। वहीं 84 मैच कंगारू टीम ने जीते हैं। 10 मैचों में कोई भी परिणाम नहीं निकल पाया। साफ्तौर पर ओवरऑल रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा। अगर इस मैदान की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच पहली बार वनडे मैच होने जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया की टीम इससे पहले यहां तीन वनडे खेली है लेकिन उसे पहली जीत का इंतजार है। अगर ऑस्ट्रेलिया में भारत के वनडे रिकॉर्ड की बात करें तो भारत ने यहां कंगारू टीम के खिलाफकुल 54 मुकाबले खेले हैं। इसमें से टीम इंडिया को सिर्फ14 मैचों में जीत मिली है। जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 38 मैचों में अपने घर पर भारत को हराया है। दो मुकाबले दोनों के बीच ऑस्ट्रेलिया में बेनतीजा रहे हैं। जबकि ऑस्ट्रेलिया में ओवरऑल भारत ने 99 वनडे मैच खेले हैं जिसमें से 40 में उसे जीत मिली है और 53 में हार का सामना करना पड़ा है। जबकि दो मैच टाई हुए हैं और चार मैचों का कोई परिणाम नहीं निकल पाया। दोनों टीमों के स्क्वॉड भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल और यशस्वी जायसवाल। ऑस्ट्रेलिया- मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, मैथ्यू कूहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, मिचेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिचेल स्टार्क।

रोहित-विराट के वनडे क्रिकेट से संन्यास पर ये क्या बोल गए रवि शास्त्री ?

भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। जहां उसे मेजबान देश के खिलाफतीन वनडे और पांच टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेलने हैं। वहीं वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया के साथ दिग्गज बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा भी शामिल हैं। लंबे समय बाद ये दोनों दिग्गज टीम इंडिया की जर्सी में दिखेंगे। वहीं टी20 और टेस्ट से संन्यास लेने के बाद अब विराट कोहली और रोहित शर्मा के वनडे करियर को लेकर भी अटकलों का बाजार गर्म है।

टी20 विश्व कप 2026 की 20 टीमें तय

नेपाल और ओमान के बाद यूएई ने भी किया क्वालिफाई

नई दिल्ली। टी20 विश्व कप 2026 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और श्रीलंका मेजबान होने के नाते सीधे शामिल होंगे। वहीं टी20 विश्व कप 2024 की शीर्ष सात टीमें जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज को भी स्वतरू प्रवेश मिला है। इसके अलावा न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और आयरलैंड ने अपनी टी20 रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया। एशिया-ईएपी क्वालिफायर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने गुरुवार को जापान को आठ विकेट से हराकर 2026 पुरुष टी20 विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया। इसी के साथ अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए सभी 20 टीमें तय हो गईं। इससे पहले बुधवार को नेपाल और ओमान की टीमों ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई किया था। भारत और श्रीलंका में होगा विश्व कप का आयोजन इस मुकाबले में यूएई के गेंदबाज हैदर अली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट मात्र 20 रन देकर झटके। जापान को 117 रनों पर रोकने के बाद, सलामी बल्लेबाज अलीशान शरफूऔर कप्तान मोहम्मद वसीम ने पहले विकेट के लिए 70 रनों की साझेदारी कर टीम को आसान जीत दिलाई।

इस जीत के साथ यूएई ने नेपाल और ओमान के साथ 2026 विश्व कप में जगह बना ली है। यह टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में आयोजित होगा। 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा टी20 विश्व कप 2026 में कुल 20 टीमें हिस्सा लेंगी। भारत और श्रीलंका मेजबान होने के नाते सीधे शामिल होंगे। वहीं टी20 विश्व कप 2024 की शीर्ष सात टीमें जिनमें अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज को भी स्वतरू प्रवेश मिला है। इसके अलावा न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और आयरलैंड ने अपनी टी20 रैंकिंग के आधार पर क्वालिफाई किया। कनाडा ने अमेरिका क्वालिफायर से, जबकि इटली (पहली बार विश्व कप में), नीदरलैंड्स, नामीबिया और जिम्बाब्वे ने अपने-अपने क्षेत्रों से टिकट हासिल किया। टूर्नामेंट का प्रारूप पिछली बार जैसा ही रहेगा जिसमें 20 टीमों को चार ग्रुप में बांटा जाएगा, हर एक ग्रुप में पांच टीमें होंगी। हर टीम अपने समूह की बाकी चार टीमों से एक बार खेलेगी। हर एक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें सुपर-8 दौर में पहुंचेंगी, जहां से चार सर्वश्रेष्ठ टीमें सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी और फिर दो फाइनलिस्ट खिताब के लिए भिड़ेंगी।

इस पूर्व क्रिकेटर ने पहले वनडे के लिए चुनी भारत की प्लेइंग-11, कुलदीप यादव को किया बाहर

पर्थ। कई क्रिकेट प्रेमियों का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की पर्थ की तेज और उछालभरी पिच पर स्पिनर्स की जगह सीमर्स को तरजीह दी जा रही है, इसलिए कुलदीप को शायद आराम दिया जा सकता है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्तूबर से पर्थ में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से पहले, पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय बांगड़ ने अपनी संभावित प्लेइंग ग्प् का एलान किया है। बांगड़ की इस टीम में सबसे बड़ा चौंकाने वाला फैसला यह रहा कि उन्होंने एशिया कप 2025 के सर्वाधिक विकेट-टेकर कुलदीप यादव को जगह नहीं दी। कुलदीप ने टूर्नामेंट में 17 विकेट झटके थे, फिर भी उन्हें इस एकादश से बाहर रखना क्रिकेट फैंस को हैरान कर गया है। बांगड़ की भारत-11 में युवा और अनुभव का मेल संजय बांगड़ ने अपनी टीम की शुरुआत भारत के नए कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी रोहित शर्मा की ओपनिंग जोड़ी से की है। उनके बाद विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान) और केएल राहुल (विकेटकीपर) को मध्यक्रम में रखा गया है। ऑलराउंडरों में बांगड़ ने अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को स्पिन विकल्प के रूप में चुना है, जबकि तेज गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर नीतीश रेड्डी को मौका दिया गया है। गेंदबाजी विभाग में उन्होंने मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, और हर्षित राणा पर भरोसा जताया है। बांगड़ की टीम इस प्रकार हैरू शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नितीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा। कुलदीप यादव को बाहर करना चौंकाने वाला कुलदीप यादव का नाम टीम से बाहर रखना फैंस के लिए सबसे बड़ा सरप्राइज रहा। एशिया कप 2025 में उनकी शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने कई मैच जीते थे, लेकिन बांगड़ ने टीम कॉम्बिनेशन के चलते उन्हें नहीं चुना। कई क्रिकेट प्रेमियों का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की पर्थ की तेज और उछालभरी पिच पर स्पिनर्स की जगह सीमर्स को तरजीह दी जा रही है, इसलिए कुलदीप को शायद आराम दिया जा सकता है। कोहली और रोहित की वापसी से बढ़ा रोमांच यह वनडे सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि यह विराट कोहली और रोहित शर्मा की वापसी वाली सीरीज है। दोनों दिग्गजों ने टेस्ट और टी20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया है और अब सिर्फवनडे क्रिकेट में नजर आते हैं। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह दौरा शायद इन दोनों खिलाड़ियों का आखिरी ऑस्ट्रेलिया टूर भी हो सकता है। शुभमन गिल का बयान नए कप्तान शुभमन गिल ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा, श्कोहली और रोहित का अनुभव टीम के लिए बहुत कीमती है। उन्होंने भारत को जितनी जीत दिलाई हैं, वैसी उपलब्धियां बहुत कम खिलाड़ियों के पास हैं। उनकी स्किल और क्वालिटी अतुलनीय है।श् गिल ने यह भी संकेत दिया कि यदि उनकी फिटनेस और फॉर्म बरकरार रही, तो दोनों वरिष्ठ खिलाड़ी 2027 वर्ल्ड कप तक टीम के साथ रह सकते हैं।

बांग्लादेशी क्रिकेटरों पर जानलेवा हमला! इस खिलाड़ी ने सुनाई घटना, लिखा- नफरत नहीं, प्यार चाहते हैं

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट के लिए अफगानिस्तान के खिलाफहार सिर्फएक सीरीज नहीं, बल्कि आत्ममंथन का समय है। टीम जब देश लौटी, तो खिलाड़ियों का स्वागत तालियों से नहीं बल्कि हूटिंग और गुस्से से भरे नारों से हुआ। मोहम्मद नईम का संदेश सिर्फबांग्लादेश के लिए नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के खेल प्रेमियों के लिए एक सबक है। अफगानिस्तान के खिलाफवनडे सीरीज में मिली 3-0 की करारी हार के बाद बांग्लादेश क्रिकेट टीम पर उनके ही देशवासियों का गुस्सा टूट पड़ा। मेहदी हसन मिराज की कप्तानी में उतरी टीम को पहले वनडे मुकाबले में पांच विकेट, फिर 81 रन और अंत में 200 रन से हार का सामना करना पड़ा। यह अफगानिस्तान के खिलाफबांग्लादेश की सबसे शर्मनाक सीरीज हार मानी जा रही है। हालांकि, इस वनडे सीरीज से पहले बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को टी20 सीरीज में 3-0 से हराया था। खिलाड़ियों की गाड़ियों पर हमला टीम जब देश लौटी, तो खिलाड़ियों का

स्वागत तालियों से नहीं बल्कि हूटिंग और गुस्से से भरे नारों से हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ढाका एयरपोर्ट पर खिलाड़ियों को बुरी तरह ट्रोल किया गया और यहां तक कि कुछ खिलाड़ियों की गाड़ियों पर पत्थर भी फेंके गए। इस घटना के बाद माहौल इतना तनावपूर्ण हो गया कि पुलिस को अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ी। मोहम्मद नईम का भावुक पोस्ट इन घटनाओं से आहत बांग्लादेश के युवा बल्लेबाज मोहम्मद नईम शेख ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने कहा, श्हम सिर्फमैदान में खेलने नहीं उतरते, बल्कि अपने सीने पर देश का नाम लेकर उतरते हैं।

आनंदीबेन और योगी ने प्रकाशपर्व दीपावली पर प्रदेशवासियों को दी बधाई

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख–समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है। रविवार को जारी एक शुभकामना संदेश में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने धनतेरस, छोटी दीपावली, दीपावली, गोवर्धन पूजा एवं भाईदूज के शुभ अवसर पर देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। अपने बधाई संदेश में राज्यपाल ने कहा कि दीपों का यह पांच दिवसीय उत्सव केवल प्रकाश का पर्व नहीं, बल्कि अंधकार से प्रकाश, असत्य से सत्य तथा नकारात्मकता से सकारात्मकता की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा भी देता है। मुख्यमंत्री ने

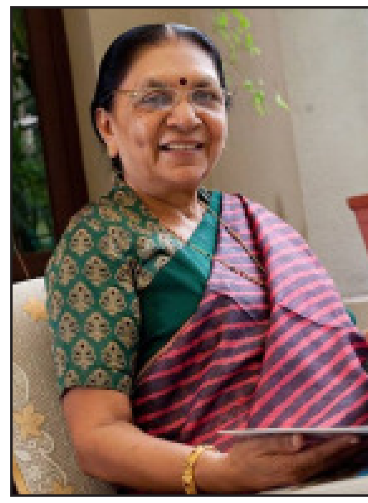

कहा कि पर्व एवं त्योहार शान्ति, एकता व सछ्वाव का सन्देश देते हैं एवं सामाजिक सौहार्द में वृद्धि करते हैं। दीपावली का पर्व भारत की सनातन धर्म की परम्परा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने–अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। श्री योगी ने कहा कि यह हम सभी का सौभाग्य है कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की पावन जन्मस्थली अयोध्या उत्तर प्रदेश में है। राज्य सरकार अयोध्या में दीपावली के आयोजन की प्राचीन और गौरवशाली परम्परा को 'दीपोत्सवश्के आयोजन के माध्यम से पुनर्प्रतिष्ठित कर, सम्पूर्ण विश्व समुदाय को अयोध्या की महिमा से परिचित कराने का कार्य कर रही है। श्रीमती पटेल से प्रदेश के मंत्रिगण, गणमान्य नागरिक, वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भेंट कर उन्हें बधाइयाँ दी। राज्यपाल से मिलकर बधाई देने वालों में प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार, एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी, निदेशक पीजीआई पद्मश्री प्रो आरके धीमन, कुलपति केजीएमयू पद्म श्री प्रो सोनिया नित्यानंद, निदेशक आईआईएम कोलकता प्रो आलोक राय, विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, राज्य सूचना आयुक्त दिलीप अग्निहोत्री, उम्मीद संस्था से बलवीर सिंह मान व संस्था के बच्चे तथा पत्रकार बन्धु सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक शामिल थे।

एलपीएस आनंद नगर में इंटर–ब्रांच टेकविस्टा प्रतियोगिता

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ पब्लिक स्कूल, आनंद नगर शाखा में इंटर–ब्रांच टेकविस्टा प्रतियोगिता का आयोजन बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ किया गया। यह भव्य आयोजन आज की तकनीकी रूप से दक्ष पीढ़ी के लिए एक सशक्त मंच साबित हुआ, जहाँ छात्रों ने तकनीक के क्षेत्र में अपनी कौशल, रचनात्मकता और नवाचार को खुलकर प्रस्तुत किया। इस अवसर पर शिखर पाल सिंह दृ जनरल मैनेजर, नेहा सिंह दृ निदेशक तथा प्रिंसिपल मीना तिवारी व सुनंदा माथुर, शिक्षक– शिक्षिकाएं और छात्र–छात्राएं मौजूद रहे। प्रतियोगिता का मूल्यांकन प्रतिष्ठित निर्णायकों–चित्रांशु चंदेल (आईआईटी कानपुर), संस्थापक दृ डमकफब और सौरभ गुप्ता (आईआईटी खड़गपुर), सॉफ्टवेयर आर्किटेक्ट दृ स्न्त्रत ।⁊ ने किया। इस अद्भुत आयोजन से निश्चित रूप से हमारे युवा तकनीकी प्रतिभाओं के लिए नया अवसर और बड़ा मंच मिलेगा।

सीएम योगी से मिले बीकेटी विधायक, भू–माफियाओं की शिकायत की

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ में बीजेपी विधायक योगेश शुक्ला ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की है। उन्होंने पार्कों में अवैध कब्जे और कॉलोनियों में भू माफियाओं द्वारा की जा रही गतिविधियों की भी शिकायत की। इसके साथ ही नैमिष नगर योजना के बारे में भी विधायक ने सीएम को जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एक ही परियोजना में दो तरह की पेमेंट किसानों को जमीन के बदले की जा रही है। इसपर सीएम योगी आदित्यनाथ ने किसानों के हित की बात कही है। विधायक योगेश शुक्ला ने सीएम से शिकायत करते हुए कहा कि वार्ड इस्माइल गंज द्वितीय के बालाजीपुरम में पार्क में भू माफियाओं ने कब्जा कर लिया है। इसके कारण वहां रहने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि पार्क को प्राइवेट बिल्डर द्वारा विकसित किया गया था। इसके बाद यहां पर कुछ लोगों ने ताला जड़ दिया। मामले में सीएम ने जांच कराकर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस दौरान समिति के अध्यक्ष शिव कुमार सिंह महामंत्री बीके सिंह सहित ने लोग मौजूद रहे। विधायक ने कहा कि नैमिषनगर योजना स्व। की तरफ से डेवलप की जा रही है, लेकिन इसमें किसानों को दो तरह से सर्किल रेट के हिसाब से भुगतान किया जा रहा। उनका कहना है कि ग्राम सभा में एक हेक्टेयर की पेमेंट 81 लाख और नगर पंचायत की पेमेंट 1 करोड़ 25 लाख रुपए प्रति हेक्टेयर दी जा रही है। ऐसे में किसानों के साथ में गलत किया जा रहा है। एक योजना में दो तरह की पेमेंट नहीं होनी चाहिए। विधायक ने कहा कि सीएम ने किसानों के हित में किसानों को एक ही तरह से भुगतान करने का आश्वासन दिया है। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की सीतापुर रोड पर नैमिष नगर योजना शुरू की है, जिससे लगभग तीन लाख लोगों को आवास मिलेगा। बीकेटी तहसील के पुरवा गांव में साइट ऑफिस बना है। 18 गांवों की 1084 हेक्टेयर भूमि चिह्नित की गई थी, जिस पर लगभग 4785 करोड़ रुपए का खर्च आ रहा। योजना में चौड़ी सड़कें पार्क स्कूल और अस्पताल जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। एलडीए योजना के साथ उसमें आ रहे गांवों में संपर्क मार्ग, जल निकासी, खेल मैदान, बारात घर, स्वास्थ्य केंद्र, तालाब, कब्रिस्तान, स्कूल, पार्क व श्मशान आदि कार्य कराएगा। योजना में बीकेटी तहसील के 18 गांवों की लगभग 1084 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की गई है। इसमें ग्राम–भौली, लक्ष्मीपुर, पूरब गांव, पुरवा, सैरपुर, फरूखाबाद, कोड़री भौली, कमलाबाद, कमलापुर, पलहरी, गोपरामऊ, बारूमऊ, धतिंगरा, सैदापुर, पश्चिम गांव, धोबैला, उमरभारी व दुग्गौर शामिल हैं।

केशव मौर्य–ब्रजेश पाठक नाराज, अयोध्या दौरा कैंसिल किया,दीपोत्सव विज्ञापन में नाम नहीं छपा

लखनऊ,संवाददाता। अयोध्या दीपोत्सव में योगी सरकार के दोनों डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक शामिल नहीं होंगे। दोनों ने अयोध्या दौरा कैंसिल कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अयोध्या दीपोत्सव के विज्ञापन में दोनों डिप्टी सीएम का नाम नहीं छपा। इससे दोनों डिप्टी सीएम नाराज हो गए। सूत्रों के मुताबिक, दोनों ने इसकी जानकारी पार्टी के प्रदेश और शीर्ष नेतृत्व को भी दे दी है। दीपावली पर इस घटनाक्रम ने योगी सरकार की गुटबाजी और खींचतान को सामने ला दिया है। दरअसल, अयोध्या दीपोत्सव के लिए प्रदेश सरकार की ओर से शनिवार को सभी समाचार पत्रों में विज्ञापन जारी किया गया। इसमें पीएम मोदी, सीएम योगी की फोटो है। इसके अलावा, कृषि मंत्री एवं अयोध्या के प्रभारी मंत्री सूर्यप्रताप शाही और पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह का नाम भी छपा है। सूचना विभाग की ओर से जारी इस विज्ञापन में दोनों डिप्टी सीएम के नाम नहीं हैं। विज्ञापन जारी होने के बाद दोनों ने ही कार्यक्रम में शामिल नहीं होने का निर्णय किया है। हालांकि, सूचना विभाग के अफसरों तर्क दे रहे हैं कि सूर्यप्रताप शाही प्रभारी मंत्री हैं। इसलिए उनका नाम छपा है। जबकि कार्यक्रम का नोडल विभाग संस्कृति विभाग है, इसलिए जयवीर सिंह का नाम छपा है।

बसपा कोऑर्डिनेटरों से मायावती बोलीं, जैसे मेरा साथ दिया, वैसे आकाश की मदद कीजिए

लखनऊ,संवाददाता। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को लखनऊ में देशभर के कोऑर्डिनेटर के साथ बैठक की। करीब 2 घंटे चली बैठक में फोकस संगठन को मजबूत करने पर रहा। बैठक में यूपी–उत्तराखंड को छोड़कर देशभर से करीब 430 कोऑर्डिनेटर आए। इनमें 3 महिलाएं भी थीं। इस दौरान मायावती ने हर स्तर पर संगठन को मजबूत करने को कहा। उन्होंने बसपा नेताओं से कहा– जैसे आपने मेरा साथ दिया है, वैसे ही आकाश आनंद का भी साथ दीजिए। बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में भतीजे आकाश आनंद, उनके पिता आनंद कुमार और सीनियर लीडर सतीश चंद्र मिश्रा भी थे। बैठक में मायावती पहुंची तो आकाश आनंद ने मंच पर ही उनके पैर छूए। हॉल में मायावती की अकेली कुर्सी लगी थी। साइड में 3 कुर्सियां लगी थीं। इस पर आकाश आनंद, आनंद कुमार और सतीश चंद्र मिश्रा बैठे थे। बता दें कि यह बसपा का 10 दिन में लखनऊ में तीसरा बड़ा कार्यक्रम था। इससे पहले 9 अक्टूबर को कांशीराम की पुण्यतिथि में शक्ति प्रदर्शन किया था। फिर 16 अक्टूबर को यूपी–उत्तराखंड के 500 नेताओं के साथ बैठक की थी। मायावती ने पार्टी में कमियों को दूर करने को लेकर अहम निर्देश दिए। यूपी और उत्तराखंड के अलावा अन्य राज्यों में उभरे नए राजनीतिक हालात के मद्देनजर तैयारी करने की बात कही। उन्होंने कहा कि हर राज्य में मेहनत करिए। तैयारी को जोरशोर से अमल में लाइए। देश में बढ़ती गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई, महिला असुरक्षा की बढ़ती घटनाएं, जातिवादी और साम्प्रदायिक मतभेद, हिंसा जैसे अभिशाप के साथ–साथ भ्रष्टाचार के कारण लोगों का जीवन त्रस्त होने पर गंभीर चिंता जताई। सरकारों के संकीर्ण जातिवादी और राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त होने से व्यापक जन और देशहित को नुकसान हो रहा है। इससे देश का स्वाभाविक विकास बाधित हो रहा है। देश की प्रतिष्ठा को नुकसान हो रहा है। ऐसे में सही नीयत और नीति अपनाकर ध्यान देने की जरूरत है। दलितों, अन्य बहुजन समाज के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, जातिवादी शोषण, अत्याचार और अपमान जैसे मामलों से मुक्ति तभी संभव है, जब वे लोग वोटों की शक्ति के जरिए सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथों में लेकर अपने पैरों पर खड़े होंगे।

नशामुक्त फुल मैराथन में 42 किलोमीटर दौड़,पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर और राज्यसभा सांसद ने दिखाई झंडी

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी लखनऊ रविवार को फिटनेस, अनुशासन और जागरूकता का प्रतीक बन गया। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद कौशल किशोर के नेतृत्व में आयोजित 42 किलोमीटर की "नशामुक्त फुल मैराथन" में शहर के हजारों लोगों ने भाग लिया। "फिट इंडिया–नशामुक्त भारत" के संदेश के साथ यह आयोजन जॉगर्स पार्क से शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह और राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि यह मैराथन केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि अनुशासन, धैर्य और संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा नशामुक्त भारत, स्वस्थ जीवनशैली और फिटनेस को अपनाना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यह दौड़ समाज में सकारात्मकता और जागरूकता का संदेश देने का प्रयास है। मैराथन में युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और फिटनेस समूहों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। आयोजकों के अनुसार, 42 किलोमीटर की यह दौड़ लखनऊ के कई प्रमुख मार्गों से गुजरी और शहरवासियों ने जगह–जगह धावकों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में शामिल राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा ने

प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा फिटनेस केवल शरीर की नहीं, बल्कि मन की भी आवश्यकता है। नशे से दूर रहकर अनुशासित जीवन जीना ही सच्ची देशसेवा है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया मूवमेंट' को जन–जन तक पहुंचाने में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। मैराथन का मुख्य उद्देश्य समाज में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना और लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।कौशल किशोर ने अपने संबोधन में कहा कि जिस तरह फिटनेस शरीर को मजबूत बनाती है, उसी तरह नशामुक्त जीवन व्यक्ति और समाज दोनों को सशक्त बनाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी और कहा हर कदम नशामुक्त भारत की ओर। मैराथन के दौरान पूरे आयोजन स्थल पर फिटनेस मंत्र, योग अभ्यास और स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाए गए। लोगों ने दौड़ को उत्सव के रूप में मनाया और यह संदेश दिया कि फिटनेस केवल एक आदत नहीं, बल्कि जीवनशैली है। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया और प्रतिभागियों को नशामुक्त भारत का संकल्प पत्र सौंपा गया। संपूर्ण आयोजन पूर्व केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें लखनऊ पुलिस, प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय सामाजिक संगठनों का सहयोग रहा।

धनतेरस पर धनवर्षा... दो हजार करोड़ का हुआ कारोबार- लोगों ने की जमकर खरीदारी

गोरखपुर। शनिवार को धनतेरस पड़ने की वजह से लोगों ने बड़ी संख्या में बुकिंग्स कीं और शुक्रवार को डिलीवरी ली। वहीं, रविवार को भी कई ग्राहकों को वाहनों की डिलीवरी होगी। इस बार इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग भी ज्यादा रही। इस बार सभी शो–रूम मिलाकर धनतेरस पर दो हजार चार पहिया तो चार हजार दो पहिया वाहनों की बिक्री व कुल व्यापार 250 करोड़ की होने की उम्मीद है। धनतेरस के अवसर पर शनिवार को बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिली। लोगों ने परंपरा और आस्था के साथ जमकर खरीदारी की, जिससे शहर में करीब दो हजार करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। चाहे सराफा बाजार हो, ऑटोमोबाइल शोरूम या फिर इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकानें, हर जगह ग्राहकों की भीड़ उमड़ पड़ी। धनतेरस को धन की देवी लक्ष्मी और आरोग्य के देवता धन्वंतरि की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन कुछ न कुछ खरीदना शुभ होता है, विशेषकर धातु जैसे सोना और चांदी। यही वजह रही कि गोलघर, रेती, बेतियाहाता, अलहदादपुर, असुरन स्थित सराफा दुकानों पर सुबह से ही ग्राहकों की भीड़ लग गई थी। सराफा व्यापारियों के मुताबिक, इस बार दामों में बढ़ोतरी के बावजूद लोगों ने भरपूर खरीदारी की। सराफा मंडल के अध्यक्ष गणेश वर्मा ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस बार 20 प्रतिशत अधिक बिक्री हुई है। खासतौर पर 22 कैरेट सोने की चेन, झुमके, मंगलसूत्र और चांदी के सिक्कों की डिमांड सबसे ज्यादा रही। चांदी की कीमतों में भी उछाल के बावजूद लोगों ने मूर्तियां और सिक्के खरीदे। सराफा बाजार में एक हजार करोड़ से अधिक का कारोबार हुआ। ऑटो सेक्टर में उछाल, बिकीं सैकड़ों गाड़ियां धनतेरस पर केवल सोना–चांदी ही नहीं, बल्कि ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी जबरदस्त तेजी देखने को मिली। जीएसटी स्लैब में हाल ही में हुए बदलाव और कंपनियों की ओर से दिए गए त्योहारी ऑफर्स की वजह से गाड़ियों की बिक्री में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई। शहर के प्रमुख ऑटो डीलरों के अनुसार करीब 4500 दो पहिया तो दो हजार के करीब चार पहिया वाहनों की बिक्री हुई है। शनिवार को धनतेरस पड़ने की वजह से लोगों ने बड़ी संख्या में बुकिंग्स कीं और शुक्रवार को डिलीवरी ली। वहीं, रविवार को भी कई ग्राहकों को वाहनों की डिलीवरी होगी। इस बार इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग भी ज्यादा रही। इस बार सभी शो–रूम मिलाकर धनतेरस पर दो हजार चार पहिया तो चार हजार दो पहिया वाहनों की बिक्री व कुल व्यापार 250 करोड़ की होने की उम्मीद है। इलेक्ट्रॉनिक्स और गृहसज्जा के सामान की भी खूब खरीदारी धनतेरस पर केवल गहनों और गाड़ियों की ही नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक्स और गृह सज्जा की वस्तुओं की भी खूब बिक्री हुई। खासकर स्मार्ट टीवी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, मोबाइल और किचन अप्लायंसेज की जबरदस्त डिमांड रही। व्यापारियों का कहना है कि त्योहारी छूट और आसान ईएमआई विकल्पों के चलते ग्राहकों ने दिल खोलकर खरीदारी की। 40 इंच से ऊपर की स्मार्ट टीवी और डबल डोर फ्रिज सबसे ज्यादा बिके। धनतेरस में इस साल ग्राहकों का रिस्पॉन्स उम्मीद से कहीं ज्यादा रहा। गोल्ड, डायमंड और सिल्वर ज्वेलरी में शानदार बिक्री हुई। ऐश्प्रा में क्वॉलिटी और ट्रस्ट हमारी पहचान हैं और हम यही भरोसा आगे भी बनाए रखेंगेरू अनूप सराफ, निदेशक, ऐश्प्रा जेम्स एंड ज्वेल्स सोना–चांदी की कीमतों में उछाल के बावजूद ग्राहकों ने जमकर खरीदारी की है। हल्के वजन में डिजाइनर ज्वेलरी की मांग काफी ज्यादा रही। चांदी के सिक्के और ज्वेलरी भी लोगों ने खरीदी है। हीरे के आभूषणों की भी लोगों ने खरीदारी की। तमाम लोगों ने बजट के अनुसार अन्य आभूषण भी खरीदेंरू संजय अग्रवाल, निदेशक, परंपरा जेम्स एंड ज्वेल्स पिछले वर्षों की तुलना में इस वर्ष गाड़ियों की सेल बढ़ी है। शनिवार को धनतेरस की वजह से बहुत सारे लोगों ने शुक्रवार को ही डिलीवरी ली। रविवार के लिए भी काफी बुकिंग है। तीनों दिन मिलाकर 400 से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी हुईरू अभिषेक अग्रवाल, निदेशक, आर्बिट ऑटोमोबाइल्स जीएसटी स्लैब में बदलाव के बाद गाड़ियों की बिक्री तेजी से बढ़ी है। लोग इस छूट का लाभ उठा रहे हैं। धनतेरस में इसका काफी असर देखने को मिला। पिछले वर्ष की तुलना में 40 प्रतिशत तक मांग अधिक रहीरू राजू जायसवाल, निदेशक, भीम मोटर्स एवं आदित्य मोटर्स धनतेरस में दो पहिया वाहनों की जमकर बिक्री हुई है। शनिवार को डिलीवरी कम हुई। लोग शुक्रवार को ही गाड़ी घर ले गए। वहीं, रविवार को भी काफी गाड़ियां जाएंगी। इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री भी इस साल तेजी से बढ़ी हैरू नितिन मातनहेलिया, निदेशक, डीपी मोटर्स

धनतेरस की चहल-पहल के बीच भटहट कस्बे में आग से मचा हड़कंप, दंपती समेत बेटा झुलसा

गोरखपुर। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय विनोद जायसवाल अपने दोनों बेटों और पत्नी के साथ दुकान के अंदर मौजूद थे। अचानक धुआं उठते ही कुछ समझने से पहले ही दुकान आग के गोले में बदल गई। परिवार ने बाहर निकलने की कोशिश की लेकिन लपटों और धुएं ने उन्हें घेर लिया। धनतेरस के मौके पर जहां बाजारों में खरीदारी को लेकर जबरदस्त रौनक थी, वहीं गुलरिहा क्षेत्र के भटहट कस्बे में शनिवार सुबह आग की घटना ने अफरा–तफरी मचा दी। सुबह करीब आठ बजे बैरियर तिराहे पर स्थित विनोद जायसवाल की दुकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और मकान समेत दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दुकानदार विनोद जायसवाल, उनकी पत्नी शकुंतला देवी और बेटे अजय झुलस गए। जबकि दूसरा बेटा विजय छत से कूदने के दौरान घायल हो गया। सभी को स्थानीय लोगों की मदद से बीआरडी मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के समय विनोद जायसवाल अपने दोनों बेटों और पत्नी के साथ दुकान के अंदर मौजूद थे। अचानक धुआं उठते ही कुछ समझने से पहले ही दुकान आग के गोले में बदल गई। परिवार ने बाहर निकलने की कोशिश की लेकिन लपटों और धुएं ने उन्हें घेर लिया। चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे और बालू, पानी व गीले कपड़ों से आग बुझाने में लग गए। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझाने की कोशिश में विनोद गंभीर रूप से झुलस गए। उनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है, जबकि पत्नी शकुंतला देवी को प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। वहीं, अजय का इलाज बीआरडी मेडिकल कॉलेज में जारी है। विजय के पैर में गंभीर चोटें आई हैं। सूचना मिलते ही गुलरिहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य में जुट गई। अग्निशमन दल को भी सूचना दी गई, हालांकि तब तक स्थानीय लोगों ने आग पर नियंत्रण पा लिया था। थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी पर तत्काल मौके पर पुलिस पहुंची और राहत कार्य में जुट गई। मोबिल ऑयल के साथ पेट्रोल और डीजल की भी होती है बिक्री स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि दुकान में मोबिल ऑयल के साथ पेट्रोल और डीजल भी बिक्री के लिए रखा जाता है। व्यापारियों ने आशंका जताई है कि शॉर्ट सर्किट से निकली चिंगारी पेट्रोल–डीजल पर गिरने से आग तेजी से फैल गई। इससे लाखों रुपये का सामान जल गया। व्यापारियों का कहना था कि धनतेरस के दिन जहां बाजारों में रौनक थी, वहीं इस दर्दनाक हादसे ने कस्बे का माहौल गमगीन कर दिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बाजार में आग से सुरक्षा के इंतजाम बढ़ाने की मांग की है।

दीपावली पर मिठाई खरीदते समय रहें सतर्क, बाजार मिलावट से भरा- जानिए कहां से आ रही हैं मिलावटी मिठाई

गोरखपुर। शासन ने इस साल 8 से 17 अक्तूबर के बीच विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया था। इस विशेष निगरानी अभियान का उद्देश्य दीपावली के दौरान लोगों को सुरक्षित और शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना था। इसके अंतर्गत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने शहर से लेकर देहात तक छापा मारा। टीम ने मिठाई, खोआ, दूध, घी, तेल, चॉकलेट, ड्राईफ्रूट और नमकीन जैसे खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर जांच के लिए भेजा गया।

सड़क हादसों में सैन्यकर्मी के बेटे समेत दो की मौत, दो घायल- असम राइफल्स में है तैनाती

गोरखपुर। दो बाइकों की आमने–सामने की टक्कर के दौरान पीछे से आए अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सीएचसी ठर्रापार ले जाया गया। डॉक्टरों ने 14 वर्षीय गौरव सैनी को मृत घोषित कर दिया। शहर के दो अलग–अलग थानाक्षेत्रों में शनिवार शाम हुए दो सड़क हादसों में सैन्यकर्मी के बेटे समेत दो लोगों की मौत हो गई। साथ ही दुर्घटना में दो अन्य लोग घायल हो गए। पहला हादसा पाली क्षेत्र के घघसरा चौकी अंतर्गत घघसरादृपटना मार्ग पर कुसम्हाखुर्द गांव के पास हुआ। दो बाइकों की आमने–सामने की टक्कर के दौरान पीछे से आए अज्ञात वाहन की टक्कर से दोनों किशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को सीएचसी ठर्रापार ले जाया गया। डॉक्टरों ने 14 वर्षीय गौरव सैनी को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे बाइक सवार संतकबीरनगर बखिरा निवासी राजदीप को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक गौरव सैनी, ग्राम चांदबारी निवासी जितेंद्र सैनी का बेटा था, वह असम राइफल्स में जवान हैं और तिब्बत सीमा पर तैनात हैं। परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया, जिससे पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। दूसरा हादसा, चौरीचौरा थाना क्षेत्र के भगवानपुरदृबधाड़ मार्ग पर शुक्रवार की देर शाम हुआ। नगर पंचायत चौरी चौरा के भगवानपुर वार्ड संख्या एक निवासी उपेन्द्र पासवान (19) बाइक से कुर्मी टोला चौराहे की ओर जा रहा था। तेज रफ्तार के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल उपेन्द्र को एम्स गोरखपुर ले जाया गया। इलाज के दौरान उपेंद्र की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य राहगीर भी घायल हो गए। चौरी चौरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

धनतेरस पर हुई धन वर्षा...कारोबार ४०० करोड़ के पार

बस्ती। पंच दिवसीय महापर्व का आगाज शनिवार को धनतेरस से हो गया। इस दिन छोटे–बड़े सभी दुकानों, प्रतिष्ठानों, शोरूम, मार्ट ग्राहकों से दिन भर भरे रहे। रात 11 बजे तक बाजार में चहल–पहल बढ़ी रही। सुबह 10 बजे से ही धन वर्षा होने लगी। गाड़ी, मोटर, कार, बर्तन, मूर्ति, कपड़े, ज्वेलरी, अनाज, सब्जी ऐसा क्या था जिसकी बिक्री नहीं हुई। शाम होते–होते कारोबारियों का खजाना भर गया। इस बार सब मिलाकर चार सौ करोड़ के पार कारोबार होने का अनुमान लगाया जा रहा है। धनतेरस पर खरीदारी करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। ऑटोमोबाइल का कारोबार सबसे ऊपर था। धनतेरस का पर्व शनिवार को लोहा न खरीदने के चलन को भी फीका कर दिया। शुभ मुहुर्त मानकर लोगों ने दो पहिया, चार पहिया वाहनों की जमकर खरीदारी की। वहीं कुछ लोग शनिवार होने के कारण एक दिन पहले ही शोरूम से वाहनों की डिलेवरी करा लिए। महंगाई के बावजूद सर्राफा और कपड़े का कारोबार भी खूब चमका। गांधीनगर और पुरानी बस्ती बाजार क्षेत्र में भीड़ इस कदर उमड़ी समूचे शहर के रास्ते बीच–बीच में ठहर गए। व्यापारियों से मिल रही रुझान के आधार पर अनुमान है कि जिले में कुल मिलाकर चार सौ करोड़ रुपये से पार का कारोबार हुआ। गांधीनगर में तो ऐसी भीड़ कि पैदल चलने में भी कठिनाई हो रही थी। पुलिस बल काफी सूझबूझ के साथ भीड़ नियंत्रित करने में दिन भर पसीना बहाती रही। रात 10 बजे तक यहां भीड़ कम नहीं हुई। उद्योग व्यापार मंडल के अमर मणि पांडेय ने बताया कि इस बार जीएसटी घटने से खरीदारी बढ़ी है। वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामानों की बिक्री में काफी उछाल आया है। धनतेरस पर बाजार में हुए कारोबार से व्यापारियों के चेहरे चमक उठे। छोटी–बड़ी सभी दुकानें खरीदारों से भरी रहीं। खरीदारों के आने–जाने का सिलसिला देर रात तक बना रहा। ऑटोमोबाइल कारोबारी रवि चौधरी, प्रेम कुमार आदि ने बताया कि इस बार ऑटोमोबाइल का कारोबार ठीक रहा। रवि चौधरी ने बताया कि उनके प्रतिष्ठान से करीब 80 वाहन बिके। 100 वाहन लगभग एक दिन पहले भी बिके थे। शनिवार की वजह से कुछ लोगों ने आज वाहन खरीदने से परहेज किया। सराफा व्यवसायी कुंदन वर्मा ने बताया कि इस धनतेरस पर कारोबार अच्छा रहा है। पिछले धनतेरस के मुकाबले इस बार बाजार थोड़ा बढ़ा है। बर्तन व्यवसायी आलम ने कहा कि इस बार बिक्री बढ़ी है। इलेक्ट्रानिक्स के बड़े व्यवसायी अभिषेक गुप्ता बताते हैं कि हीटर वाली एसी की मांग अबकी बार ज्यादा है। इसके अलावा दो लाख तक की टीवी भी लोगों की पहली पसंद रही। बर्तन कारोबारी सुनील गुप्ता ने बताया कि इस बार धनतेरस में इलेक्ट्रिक बर्तन की मांग ठीक–ठाक रही। स्टील, पीतल, तांबा के अलावा मिट्टी के भी आधुनिक डिजाइन के बर्तन भी लोग खूब खरीदे। स्वर्ण व्यवसायी हरिओम लल्ला ने बताया कि आभूषण की सर्वाधिक बिक्री धनतेरस के दिन होती है।

अखिलेश यादव ने 8 लोगों को दिलाई पार्टी की सदस्यता, कहा पीडीए मजबूत बन रही

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रेस वार्ता में बताया कि उनके नेतृत्व में आज 8 लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हुए। इनमें देवेंद्र कुशवाहा, अमर यादव, राजन सिंह और नदीम असरफ जॉयसी प्रमुख रूप से शामिल हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि लगातार लोग समाजवादी पार्टी से जुड़ रहे हैं और बाबा साहब की नीतियों को जनता पसंद कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि "अगर हम पत्रकारों से नहीं मिल पाते हैं तो हमें खराब लगता है। उन्होंने बताया कि बड़े पैमाने पर लोग समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, विशेषकर बिंद समाज के लोग, जो पार्टी की ताकत और आंदोलन को और मजबूत बनाएंगे। अखिलेश यादव के मुताबिक, नए शामिल होने वाले नेताओं से पार्टी की पीडीए की लड़ाई और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि स्टार प्रचारक नहीं, स्टार विभाजक बनकर बिहार गए हैं। बिहार की जनता इन्हें कभी स्वीकार नहीं करेगी। दरअसल, सीएम योगी को बिहार चुनाव के लिए भाजपा ने स्टार प्रचारक बनाया है। अखिलेश ने बिजली संकट से जुड़े एक सवाल को लेकर भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा फुस्स फुलझड़ी से क्या उम्मीद करोगे। त्योहारों पर बिजली नहीं दे पा रहे हैं। अब बिजली बनाई ही नहीं तो देंगे कहां से। बिजली तो समाजवादियों की बनाई हुई है। इन्होंने तो बनाई ही नहीं। अखिलेश दुबे वाले मामले पर कहा कानपुर वाले अखिलेश दुबे की संपत्ति पर बुल्डोजर चलेगा तो पूरी सरकार गिर जाएगी। सच्चाई ये है कि कानपुर में कोई कार्रवाई नहीं होगी। मुझे जानकारी मिली है कि नए अधिकारी इसलिए ही भेजे गए हैं। एक भी नई तहरीर नहीं ली जाएगी, एफआईआर दर्ज नहीं होगी। ये लोग अखिलेश दुबे की जान भी ले सकते हैं। डिजिटल अरेस्ट पर अखिलेश ने कहा– कुछ दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में कुछ कहा था। सतर्कता जरूरी है। सुनने में आ रहा है कि गरीबों ने जो अकाउंट खुलवाए थे, वे सारे अकाउंट बंद हो गए हैं। सरकार ने पैसे अपने पास रख लिए। खाते खोले गए हैं तो आधार होगा ही। आधार से सारी जानकारी मिल जाएगी। अगर आधार नहीं होगा, तो सरकार पैसा रख लेगी। इसके लिए कोई न कोई व्यवस्था होगी। विद्यापीठ में यादव छात्र के बजाय किसी अन्य को अवॉर्ड दिए जाने पर अखिलेश ने कहा भेदभाव का इतिहास 5000 साल पुराना है। हमारी सरकार बनेगी तभी पीडीए के दुख दर्द दूर होंगे। इसलिए समाजवादी सरकार बनाकर सामजिक न्याय की

स्थापना करें। हम बुल और बुलडोजर के खिलाफ हैं। सफाई की रैंकिंग पर कहा लखनऊ सफाई में तीसरे नंबर पर है। मैं तो कहता हूं कि रैंकिंग जारी करने वाली संस्थानों पर मामला दर्ज कराना चाहिए। उस पर मामला दर्ज कराओ। लखनऊ रैंकिंग में तीसरे नंबर पर है और कचरा हर तरफ दिखाई दे रहा है। स्मार्ट सिटी पर करोड़ों रुपए खर्च किए गए और ट्रैफिक नहीं संभाल पा रहे हैं। स्मार्ट सिटी के लिए जो फंड आ रहा है, वो जा कहां जा रहा है।अखिलेश ने कहा कुंभ में बहुत जानें गईं। सरकार सही आंकड़े नहीं देना चाहते। सरकार सच बोलने वाली नहीं है। लोगों को सच पता है कि सरकार सच बोलने वाली नहीं है। कानून संविधान मानने वाली नहीं है। अगर डेथ सर्टिफिकेट जारी कर देंगे तो मुआवजा देना पड़ेगा। जो लोग काला धन और भ्रष्टाचार पर बड़ी–बड़ी बातें करते हैं वो मुआवजा नहीं देना चाहते। कुंभ में जिनकी जान गई, उनके घर पांच–पांच लाख रुपये लेकर वर्दी पहने हुए लोग, पुलिस के लोग गए। परिवार के पास सीसीटीवी हैं, फोटोज हैं। सरकार हटेगी तभी जनता को न्याय मिलेगा। विद्यापीठ में यादव छात्र के बजाय किसी अन्य को अवॉर्ड दिए जाने से जड़े सवाल पर अखिलेश ने कहा– भेदभाव का इतिहास 5000 साल पुराना है। हमारी सरकार बनेगी तो पीडीए के दुख दर्द दूर होंगे। इसलिए समाजवादी सरकार बनाकर सामजिक न्याय की स्थापना करें। हम समाजवादी लोग बुल और बुल्डोजर के खिलाफ हैं।

स्कूटी गिरने से एक लड़के की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह स्कूटी गिरने से एक लड़के की मौत हो गई। मृतक की पहचान कमलापुर निवासी शिवा के रूप में हुई। वह अपनी स्कूटी से लौट रहा था तभी सामने से कार आती दिखी। शिवा ने कार से बचने के चक्कर में कंट्रोल खो दिया। सड़क पर बैरिकेडिंग भी रखी थी। वह उससे भी बच गया लेकिन कुछ दूर जाकर गिर गया जिससे बेहोश हो गया। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने शिवा को मृत घोषित कर दिया। शिवा एक वेयरहाउस में काम करता था। सुबह अपनी बहन को उसकी कंपनी में छोड़कर स्कूटी से घर लौट रहा था। हादसा सीआरपीएफ गेट नंबर–1 के सामने हुआ। यहां सड़क पर लोहे की बैरिकेडिंग रखी होने के कारण रास्ता संकरा हो जाता है। बताया जा रहा है कि शिवा तेज रफ्तार में था। सामने से कार आने और बैरिकेडिंग से बचने के लिए उसने अचानक ब्रेक लगाए, जिससे स्कूटी फिसल गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर बिजनौर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल शिवा को सरोजनी नगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। बताया है कि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

राजनाथ सिंह करेंगे 200 बेड के नेत्र चिकित्सालय का शिलान्यास

लखनऊ, (संवाददाता)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह लखनऊ के सुल्तानपुर रोड स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर बनने वाले 200 बेड वाले नेत्र चिकित्सालय का शिलान्यास करेंगे। यह अस्पताल कल्याण करोति और गजेंद्र दत्त नीठणी दीनबंधु नेत्रालय ट्रस्ट की ओर से स्थापित किया जा रहा है। दीनबंधु नेत्रालय का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के जरूरतमंद मरीजों को नेत्र चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल में आधुनिक उपकरणों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा नेत्र रोगों का इलाज किया जाएगा। यह चिकित्सालय पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे स्थापित किया जा रहा है, जिससे लखनऊ और आसपास के जिलों के मरीजों को आसानी से यहां तक पहुंचने की सुविधा मिलेगी। इससे न सिर्फ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती मिलेगी, बल्कि क्षेत्र में चिकित्सा पर्यटन और रोजगार के नए अवसर भी बनेंगे। कल्याण करोति संस्था लंबे समय से आंखों के इलाज और अंगदान के क्षेत्र में सक्रिय रही है। इस अस्पताल की स्थापना से संस्था की सामाजिक सेवाओं को एक नई दिशा मिलेगी।

राजधानी में 78 लोगों की जांच, डेंगू-मलेरिया के लक्षण नहीं,स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ के बंथरा क्षेत्र स्थित धावापुर गांव में एक सप्ताह से अधिक लोगों को तेज बुखार और कमजोरी की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग सक्रिय हो गया है। शनिवार को डिप्टी सीएमओ डॉ. निशांत के नेतृत्व में एक टीम गांव पहुंची और जांच अभियान शुरू किया। इस टीम में मलेरिया अधिकारी डॉ. रितु, मलेरिया इंस्पेक्टर ए.के. सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरोजनीनगर के प्रभारी चंदन यादव, डॉ. पीयूष अवस्थी, डॉ. रोहित, लैब टेक्नीशियन गणेश और जिला स्वास्थ्य निरीक्षक अशोक सहित आशा बहुएं शामिल थीं। प्राथमिक विद्यालय धावापुर में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में मरीजों के खून के नमूने लिए गए। टीम ने गांव का दौरा कर मरीजों के घरों में फ्रिज और कूलर की जांच की, साथ ही मच्छरों के पनपने वाले स्थानों को साफ करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग ने मौके पर 78 लोगों के नमूने लेकर मलेरिया और डेंगू की जांच की। जांच में किसी भी मरीज में डेंगू या मलेरिया के लक्षण नहीं पाए गए। इसी बीच, सरोजनी नगर ब्लॉक प्रशासन ने गांव में सफाईकर्मी, मजदूर और जेसीबी लगाकर व्यापक साफ–सफाई अभियान चलाया। इस दौरान नालियों और रास्तों की सफाई की गई और जलभराव वाले स्थानों पर एंटी–लार्वा का छिड़काव भी कराया गया। बुखार से पीड़ित लोगों को आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं। उल्लेखनीय है कि इस बीमारी की चपेट में आकर गांव की 60 वर्षीय महिला रानी की इलाज के दौरान मौत हो गई थी, जिसके बाद गांव में दहशत का माहौल था।

राजधानी में 54 जगहों पर 1018 पटाखा दुकानें,एक–दूसरे से सटकर लगीं

लखनऊ, संवाददाता। प्रशासन ने पटाखों की बिक्री के लिए 54 जगहों पर 1018 लाइसेंसधारी दुकानों को पटाखे बेचने की अनुमति दी है। इन दुकानदारों के लिए मानक भी तय किए गए थे। लेकिन पॉलिटेक्निक में लगी दुकानों में कोई भी दुकानदार नियम पालन करते दिखाई नहीं दे रहा है। इस बार दुकानें आमने सामने नहीं लगनी थीं। अगर लगे भी तो 50 मीटर दूरी होनी चाहिए, लेकिन ऐसा कुछ देखने को नहीं मिला। इसके चलते अगर कोई अनहोनी हुई थी तो संभाल पाना मुश्किल होगा। कोई भी दुकान आपस में सटकर नहीं लगाई जाएगी। दूसरी दुकान लगाने के लिए 3 मीटर दूरी अनिवार्य होगी तथा दुकान आमने सामने नहीं होगी। कन्दीन की खरीद एवं विक्री नहीं की जाएगी। विदेशी पटाखों को नहीं बेचा जाएगा। दुकान पेट्रोलियम प्रतिष्ठान एलपीजी गोदाम से 500 मीटर के दायरे से बाहर लगाई जाएगी। दुकान पर 200 लीटर पानी का ड्रम और बाल्टी रहेगी। फायर उपलब्ध रखा जाएगा। बाल्टियां लाल रंग होंगी। जिस पर आग लिखा होगा। दुकान पर धूम्रपान निषेध व आतिशबाजी का प्रयोग 100 मीटर में वर्जित है। इसका साइनबोर्ड लगाना होगा। दुकान तेज आवाज वाले पटाखे नहीं बेचे जाएंगे। दुकान टीनशेड के अन्दर लगाई जाएगी, शामियाना या कपड़े का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कोई भी दुकानदार बचा हुआ सामान भंडारण नहीं करेगा। जबकि वहीं वापस करेगा जहां से खरीदा है। बिजली कटने पर कोई भी मोमबत्ती, पेट्रोलियम या लैंप नहीं जलाएगा। दुकानें बिजली की तार के नीचे नहीं लगाई जाएंगी। दुकान लगाने से पहले अस्थाई कनेक्शन लेना होगा। दुकान ऐसी जगह लगाई जायेगी जिससे मुख्य मार्ग अवरुद्ध न होने पाए यातायात बाधित न हो। आतिशबाजी विक्रय स्थल पर आतिशबाजी को जलाकर उसका प्रयोग न दिखाया जाए। उन पटाखों का विक्रय नहीं किया जाएगा,।

निजी संस्थान ने गरीबों को बांटे दिवाली उपहार

उरई / जालौन, (संवाददाता)। जालौन के कोंच स्थित दरिद्र नारायण सेवा समिति ने दीपावली पर्व पर जरूरतमंदों के लिए सेवा कार्य किया। समिति ने शनिवार को गांधी नगर में गरीब और जरूरतमंद लोगों के बीच दिवाली के उपहार वितरित किए। इस कार्यक्रम में 50 महिलाओं और 50 पुरुषों को नए कपड़े, तेल, साबुन सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक महिला और पुरुष को 100 रुपये की आर्थिक सहायता भी दी गई, जिससे कुल 100 लोगों को लाभ मिला। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एसडीएम ज्योति सिंह थीं। उन्होंने सर्वप्रथम भोले शंकर की पूजा–अर्चना की और अपने हाथों से गरीबों को भोजन परोसा। इसके बाद, उन्होंने स्वयं जरूरतमंदों को सामग्री वितरित की। समिति के प्रमुख करोड़े लाल यादव श्बाबूजीश, आयुष यादव और राशिद अहमद ने बताया कि गरीबों के चेहरों पर मुस्कान लाना ही समिति का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि दीपावली का वास्तविक सुख तभी है जब हर घर में रोशनी पहुंचे और कोई भी परिवार इस पर्व पर वंचित न रहे। मुख्य अतिथि एसडीएम ज्योति सिंह ने समिति के इस सामाजिक कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज में आपसी सहयोग और संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। कोतवाल अजीत सिंह ने भी इस तरह के आयोजनों को समाज में एकता और मानवीय भावना को मजबूत करने वाला बताया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों को स्वदेशी उत्पादों के उपयोग का संदेश दिया गया और श्लोकल फॉर वोकलश को अपनाने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर दरिद्र नारायण सेवा समिति के सदस्य प्रो. वीरेन्द्र सिंह, हाजी मोहम्मद केध्व बबेले, नासिर सेठ, रज्जाक अंसारी, राजू अग्रवाल, विज्ञान सीरोठिया, गजराज सिंह सेंगर और राजीव अग्रवाल सहित कई लोग मौजूद रहे।

जुआ खेलते 2 गिरफ्तार, पुलिस ने 24 हजार रुपये नकद बरामद

बांदा, (संवाददाता)। पुलिस ने अतर्रा थाना क्षेत्र से जुआ खेलते हुए दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 24,450 रुपये नकद, ताश के पत्ते, मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देश पर अपराध नियंत्रण अभियान के तहत की गई है। अतर्रा थाना पुलिस 17 अक्टूबर 2025 की देर रात गश्त और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि अतर्रा कस्बे की नहर पटरी के पास कुछ लोग हार–जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने प्रशांत पुत्र रामकिशोर और विनय पुत्र रमेश को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ा। दोनों अतर्रा कस्बे के निवासी हैं। पुलिस ने उनके कब्जे से माल–फड़ और तलाशी में कुल 24,450 रुपये नकद बरामद किए। बरामदगी में 52 ताश के पत्ते, तीन मोबाइल फोन और दो मोटरसाइकिलें भी शामिल हैं। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के खिलाफ थाना अतर्रा में मामला दर्ज किया है।

अवैध पटाखा फैक्ट्री का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार

बांदा, (संवाददाता)। पुलिस ने एक अवैध पटाखा निर्माण फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि एक व्यक्ति मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से भारी मात्रा में निर्मित और अध–निर्मित पटाखे, बारूद तथा विस्फोटक सामग्री बरामद की है। चित्रकूटधाम परिक्षेत्र बांदा के पुलिस उपमहानिरीक्षक राजेश एस. के निर्देशों और पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के नेतृत्व में यह अभियान चलाया जा रहा है। अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज और सहायक पुलिस अधीक्षक मेविस टॉक के पर्यवेक्षण में 17 अक्टूबर 2025 की देर शाम कोतवाली नगर पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर, परशुराम तालाब रेलवे ट्रैक के पीछे स्थित राममिलन के मकान पर छापेमारी की गई। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मुन्ना पुत्र हरिप्रसाद और पंकज पुत्र सत्य नारायण के रूप में हुई है। ये दोनों परशुराम तालाब, कोतवाली नगर, बांदा के निवासी हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे दीपावली से पहले बाजार में अवैध रूप से पटाखों की आपूर्ति करने की तैयारी में थे। इस दौरान एक आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा, जिसकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं। मौके से 42.5 किलोग्राम देशी पटाखे, 47 किलोग्राम सफेद हार्ड रैपर, 4 किलोग्राम अर्ध–निर्मित खोखे, 16 किलोग्राम कच्चे सीमेंट के टुकड़े और 7 किलोग्राम देशी रोशनी बरामद की गई। इसके अतिरिक्त, सूजा, भगोना, कटर बत्ती सहित पटाखे बनाने के उपकरण और 13 प्रकार के छोटे–बड़े पटाखे भी जब्त किए गए हैं। पुलिस इस मामले में गहनता से जांच कर रही है कि आरोपियों को पटाखा बनाने की अवैध सामग्री कहां से मिलती थी और इस नेटवर्क में अन्य कौन–कौन लोग शामिल हैं।

कमासिन सब्जी मंडी गेट का मलबा गिराकई लोग बाल–बाल बचे

बांदा, (संवाददाता)। कमासिन सब्जी मंडी के पास बने एक गेट का मलबा गिर गया। इस घटना में कई लोग बाल–बाल बच गए। गेट के ठीक बगल में कई दुकानें भी मौजूद थीं। स्थानीय निवासियों राजू तिवारी, रज्जू वर्मा, तिरफान खान, श्याम बिहारी और नीरज यादव ने बताया कि इस गेट का निर्माण लगभग एक साल पहले ही किया गया था। लोगों ने गेट के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

दो बाइकों की भिड़ंत में युवक की मौत, आईटीएम कॉलेज के पास हुआ हादसा

अलीगढ़, (संवाददाता)। अलीगढ़–खैर मार्ग पर लोधा थाना क्षेत्र के आईटीएम कॉलेज के पास शनिवार सुबह दो बाइकों की आमने–सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के एक छात्र की मौत हो गई, जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान सिविल लाइन थाना क्षेत्र के पान वाली कोठी निवासी 18 वर्षीय हफीज रहमान पुत्र मुजीबुर रहमान के रूप में हुई है। हफीज रहमान अपने तीन साथियों अब्दुल्ला, फैसल (पुत्र अफजल) और यश (पुत्र सतेंद्र) के साथ एक ही बाइक पर खैर की तरफ से सिविल लाइन जा रहे थे। दूसरी बाइक पर थाना रोरावर के नादा बाजीदपुर निवासी राजेश पुत्र राकेश सवार था, जो खैर की तरफ जा रहा था। सुबह करीब पौने सात बजे आईटीएम कॉलेज के पास दोनों बाइकों की आमने–सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को नेहरा सीएचसी भेजा। डॉक्टरों ने हफीज रहमान को मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जारी है।

न्याय पंचायत खेलकूद प्रतियोगिता, बिजौली ब्लॉक के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने लिया भाग

अलीगढ़, (संवाददाता)। पाली मुकीमपुर के गांव तरेंची में न्याय पंचायत खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें बिजौली ब्लॉक के दर्जनों गांवों के सरकारी स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया। यह प्रतियोगिता तरेंची के खेल मैदान में संपन्न हुई। छात्रों को कबड्डी, खो–खो, फुटबॉल, दौड़ और लंबी कूद जैसे विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिला। प्रतियोगिता का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी अवधेश कुमार सोनकर और रघुराज सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। खो–खो, कबड्डी और कुश्ती की टीम स्पर्धाओं में तरेंची की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सफीपुर की टीम द्वितीय स्थान पर रही। बालिका वर्ग की कुश्ती में भी तरेंची की टीम ने पहला स्थान हासिल किया और बिशनपुर की टीम दूसरे स्थान पर रही। कुश्ती अंडर–30 वर्ग में मनीष विजेता घोषित किए गए। कबड्डी प्रतियोगिता में ग्राम प्रधान डॉक्टर पवन कुमार लोधी ने रेफरी की भूमिका निभाई। सभी विजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर पुरस्कृत किया गया।इस अवसर पर सुनील कुमार, राजकुमार, उमा यादव, अभिषेक शर्मा, नीरज सिंह और सरोज सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जिलाधिकारी–पुलिस अधीक्षक ने पटाखों की दुकानों का निरीक्षण किया

बांदा, (संवाददाता)। दीपावली के त्योहार से पहले बांदा के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने आज जीआईसी ग्राउंड और पंडित जवाहरलाल नेहरू डिग्री कॉलेज मैदान में लगी पटाखों की दुकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दुकानदारों और संबंधित अधिकारियों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बिक्री सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। अधिकारियों ने पटाखों की दुकानों पर अग्निशमन व्यवस्था, सुरक्षा उपायों और स्वच्छता की स्थिति का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए कि वे पटाखों की

बिक्री के दौरान सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचें। निरीक्षण के दौरान, आसपास के क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था और भीड़ नियंत्रण के संबंध में भी महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए। इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचना और सुगम आवागमन बनाए रखना है। जिलाधिकारी ने इस अवसर पर कहा कि दीपावली पर पटाखों की बिक्री से कोई दुर्घटना न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने जोर दिया कि दुकानदारों को सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करना होगा और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पटाखों की दुकानों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

यूपी में 69197 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की होगी भर्ती, अफसरों को कार्यवाही शुरू करने के निर्देश

लखनऊ,संवाददाता। मुख्य सचिव ने बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग की समीक्षा में निर्देश दिए और कहा कि भर्ती की समय सारिणी तय करें। प्रत्येक चरण के लिए समय सीमा भी निर्धारित करें। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के 69197 पदों पर जल्द भर्ती शुरू होगी। इनमें

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के 7952 और सहायिकाओं के 61254 पद शामिल हैं। मुख्य सचिव ने बृहस्पतिवार को विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को भर्ती की समय सारिणी तय करके कार्यवाही शुरू करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने जिलेवार भर्ती के लिए डीएम की अध्यक्षता में समिति गठित करने के बाद ही भर्ती की प्रक्रिया शुरू करने को कहा है। बैठक में विभाग की अपर मुख्य सचिव लीना जौहरी ने बताया कि प्रदेश में अभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के रिक्त 69197 पदों में से 2123 पहले से खाली हैं, जबकि शेष पद 306 नए बने आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि स्वीकृत 23697 आंगनबाड़ी केंद्रों में बन रही पोषण वाटिका, रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, एलईडी स्क्रीन तथा ईसीसीई मैटेरियल जैसे कामों को जल्द पूरा करते हुए सक्षम आंगनबाड़ी के रूप में विकसित करें। उन्होंने कहा कि पोषण भी, पढ़ाई भी कार्यक्रम के अंतर्गत सभी जिलों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तीन दिवसीय प्रशिक्षण दिलाया जाए। मुख्य सचिव ने रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष से संबंधित लंबित प्रकरणों का इस महीने के अंत कर निस्तारित करने को कहा। साथ ही अनावश्यक रूप से प्रकरणों को लंबित रखने वाले अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को मिलता है 8000 मानदेय बता दें कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को हर महीने 8000 रुपये मानदेय मिलता है। इसमें 6000 मानदेय और 2000 इंसेंटिव है। इसी तरह सहायिकाओं को भी 4000 रुपए मानदेय मिलता है, इसमें 3000 रुपए मानदेय और 1000 रुपये इंसेंटिव है।

350 मोबाइल मिले मालिकों को,जीआरपी और पुलिस ने चार करोड़ के मोबाइल बरामद किये

लखनऊ,संवाददाता। दिवाली से पहले लखनऊ पुलिस और जीआरपी ने लोगों की खुशियां दोगुनी कर दी हैं। संयुक्त अभियान में चार करोड़ रुपये कीमत के करीब 350 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके असली मालिकों को लौटाए गए। मोबाइल फोन बरामद करने में सर्विलांस टीम और ट्रैकिंग सिस्टम की अहम भूमिका रही। लखनऊ पूर्वी जोन की सर्विलांस सेल ने अभियान के दौरान 111 मोबाइल फोन बरामद किए, जिनकी कुल कीमत लगभग 22 लाख रुपये बताई गई है। डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह और जीआरपी एसपी रोहित मिश्रा ने खुद मोबाइल उनके मालिकों को सौंपे। मोबाइल बरामदगी अभियान में चारबाग जीआरपी इंस्पेक्टर की भी अहम भूमिका सामने आई। उनकी टीम ने रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में चोरी या गुम हुए मोबाइलों को ट्रैक कर कई केस सुलझाए। जब लोगों को उनके मोबाइल वापस मिले, तो उनके चेहरों पर मुस्कान लौट आई। किसी का फोन छह महीने से गुम था, तो किसी का नया खरीदा मोबाइल ट्रेन में छूट गया था। पुलिस की इस पहल ने उनकी दिवाली को और भी खास बना दिया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि यदि उनका मोबाइल फोन खो गया है तो वे तुरंत रिपोर्ट दर्ज कराएं। आधुनिक तकनीक और ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए ऐसे मोबाइल अब आसानी से बरामद किए जा सकते हैं।

वेतन-बोनस न मिलने पर सिविल अस्पताल में सफाई कर्मियों का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। राजधानी के डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविल अस्पताल में शुक्रवार को आउटसोर्स सफाई कर्मियों ने काम ठप करके जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे हैं सफाई कर्मियों का कहना था कि दिवाली के त्योहार पर बोनस और वेतन उनको नहीं मिला है। समय से वेतन और बोनस निर्गत करने के लिए कहा गया था पर इसके बावजूद प्रशासन की अनदेखी से वेतन नहीं मिला। इसी के चलते सभी ने काम ठप करते हुए नारेबाजी और प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान एक महिला कर्मी की तबीयत भी अचानक बिगड़ गई। जिसके बाद उसे लेकर साथी कर्मी इमरजेंसी पहुंचे। जहां थोड़ी देर बाद डॉक्टरों की निगरानी में उसे रखा गया। फिर उसे राहत मिली। सफाई कर्मियों का कहना था कि दिन-रात काम करने के बावजूद समय से वेतन नहीं मिलता है। जबकि उनसे बेहिसाब काम लिया जाता है। इसके अलावा छुट्टी और बोनस को लेकर भी कोई सुनवाई नहीं होती। यही कारण है कि उन्हें प्रदर्शन करना पड़ रहा है। इस मामले में सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.एसके पांडेय ने बताया कि निजी आउटसोर्स एजेंसी के जरिए करीब 75 सफाई कर्मियों को तैनात किया गया है। इनका पेमेंट छम्ब्ड द्वारा किया जाता है। गुरुवार को पेमेंट होना था पर ट्रेजरी में किसी अड़चन के चलते पेमेंट नहीं हो सका। आज सभी का पेमेंट कर दिया गया है। प्रदर्शन करने वाले सभी सफाई कर्मी काम पर भी लौट आए हैं। मरीज से जुड़ा कोई काम इसलिए प्रभावित नहीं हुआ। क्योंकि इस दौरान अस्पताल के परमानेंट सफाई कर्मी काम पर मौजूद थे।

नगर आयुक्त के चौंबर के बाहर नगर निगम ठेकेदारों का प्रदर्शन

लखनऊ,संवाददाता। लखनऊ नगर निगम कॉन्ट्रैक्ट एसोसिएशन ने अपनी मांगों को लेकर नगर निगम मुख्यालय में धरना दे रहे हैं। सुबह 11 बजे से ठेकेदार नगर आयुक्त गौरव कुमार के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे। ठेकेदार एकता जिंदाबाद, ठेकेदारों की पेमेंट करो के नारे लग रहे हैं। ठेकेदारों का कहना है कि 2022-23 सितंबर के दौरान नगर निगम ने करीब 100 ठेकेदारों के पेमेंट का भुगतना किया है, लेकिन 300 ठेकेदारों का पेमेंट नहीं किया गया है। त्योहार का समय है। दीपावली है। इस दौरान मार्केट की उधारी देने सहित घर की जरूरतों को पूरा करने के लिए कामों का बकाया पेमेंट किया जाए। जीएसटी भी दी जाए। महामंत्री मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कई काम ऐसे हैं, जिनकी पेमेंट 2016 तक से नहीं की गई है। ऐसे में ठेकेदार कैसे काम करेंगे? ठेकेदारों एसोसिएशन के महामंत्री मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि ठेकेदार अपने पेमेंट को लेकर लगातार मांग कर रहे हैं। सिर्फ आश्वासन मिल रहा है। मामले में नगर आयुक्त गौरव कुमार और मेयर सुषमा खर्कवाल को पत्र लिखा गया है। वहीं, ठेकेदारों ने बताया कि दीपावली के पहले पेमेंट करने की बात कही गई थी, लेकिन अभी तक भुगतान नहीं हुआ है।

आजम खां की फिर बिगड़ी तबीयत

लखनऊ,संवाददाता। वरिष्ठ नेता आजम खां की तबीयत शुक्रवार सुबह फिर बिगड़ गई। वह तीन दिन पहले इलाज के लिए दिल्ली गए थे और देर रात रामपुर लौटे थे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती किया है। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खां की तबीयत फिर बिगड़ गई। तीन दिन पहले वह इलाज के लिए दिल्ली गए थे और बृहस्पतिवार रात रामपुर लौटे थे। शुक्रवार सुबह उनकी तबीयत दोबारा खराब हो गई। इसके चलते डॉक्टरों की टीम ने उनका घर पर ही प्राथमिक उपचार किया। सीतापुर जेल से रिहाई के बाद उनका दिल्ली में इलाज चल रहा है। बीती रात रामपुर लौटने के बाद से वह लगातार थकान और कमजोरी महसूस कर रहे थे। शुक्रवार को तबीयत बिगड़ने पर परिवार ने डॉक्टरों से संपर्क किया। डॉक्टरों ने आराम करने और दोबारा जांच कराने की सलाह दी है। रिहाई के बाद से ही आजम ने अपनी सेहत पर ध्यान केंद्रित किया है। वह बीते कुछ महीनों में कई बार दिल्ली के अस्पताल जा चुके हैं। बेटे अब्दुल्ला आजम ने सोशल मीडिया पोस्ट में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा है कि पिता की तबीयत खराब होने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यतीमखाना मामले में दो गवाहों के वारंट जारी सपा नेता आजम खां के खिलाफ दर्ज यतीमखाना बस्ती को कब्जाने के मामले में कोर्ट में दो गवाहों के पेश न हो पाने की वजह से नहीं हो सकी। कोर्ट ने इस मामले में दोनों गवाहों को वारंट जारी कर दिए हैं। अब इस मामले की सुनवाई 29 अक्तूबर को होगी। शहर कोतवाली में यतीमखाना बस्ती को हटाने के नाम पर मारपीट, चोरी व डकैती जैसी संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज है। वर्ष 2019 में दर्ज इन सभी मामलों की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में हो रही है। बुधवार को भी इस मामले की सुनवाई हुई। मंगलवार को इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सफाई साक्ष्य के तौर पर दो गवाहों को कोर्ट में पेश होना था। दोनों गवाह इंतजार अहमद व करीम अहमद कोर्ट नहीं पहुंचे,जिस पर इस मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने इस मामले में दोनों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए हैं। अब इस मामले की सुनवाई 29 अक्तूबर को होगी। वहीं दूसरी ओर भोट थाने में दर्ज नफरती भाषण के मामले में भी कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकी। इस मामले की अगली सुनवाई अब तीन नवंबर को होगी।

सड़कों पर गंदगी मिलने पर कंपनी पर जुर्माना,नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

लखनऊ,संवाददाता। दिवाली और छठ महापर्व पर भी हर की स्वच्छता व्यवस्था पटरी से उतरी हुई है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने शुक्रवार सुबह जोन-5 क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान बाबू कुंज बिहारी वार्ड और गुरु गोविंद सिंह वार्ड में सफाई व्यवस्था, कूड़ा उठान, और कार्यदाई संस्था के कामकाज का जायजा लिया। जनता से फीडबैक भी लिया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने कई स्थलों पर सफाई में लापरवाही पाए जाने पर अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी और कार्यदाई संस्था लॉयन एनवायरो पर 5,000 का जुर्माना भी लगाया। निरीक्षण की शुरुआत नगर आयुक्त ने चंदन नगर मार्केट के पास बने कूड़ा पड़ाव से की। उन्होंने पाया कि वहां की पुरानी कॉम्पैक्टर मशीन लंबे समय से खराब थी और उपयोग में नहीं लाई जा रही थी, जिसके कारण पड़ाव पर कूड़ा बड़ी मात्रा में फैला हुआ था। इस पर नगर आयुक्त ने जोनल सैनेटरी अधिकारी (जेडएसओ-5) को मशीन को तत्काल आरआर विभाग भेजने तथा स्थल को तुरंत व्यवस्थित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा किसी भी वार्ड में खराब मशीन या उपकरणों के कारण सफाई कार्य बाधित नहीं होना चाहिए। इसके बाद नगर आयुक्त ने संत आशुदाराम आश्रम के पास एक खाली प्लॉट का निरीक्षण किया, जहाँ कूड़ा पड़ा पाया गया। इस पर उन्होंने जेडएसओ को निर्देशित किया कि प्लॉट को तुरंत साफ कराया जाए और आगे ऐसी स्थिति दोबारा न बनने पाए इसके लिए निगरानी रखी जाए। इसके बाद राजकीय उद्यान वाली रोड, आलमबाग चौराहा और चंदन नगर सब्जी मंडी का निरीक्षण नगर आयुक्त ने किया।

विधिक सलाहकार अमित आनन्द तिवारी (अधिवक्ता उच्चतम न्यायालय)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आरजू खान द्वारा सीता आफसेट, 75 पूराना किला केन्ट रोड हुसैनगंज लखनऊ से मुद्रित कराकर एच 615 मलेसेमऊ गोमतीनगर विस्तार लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक आरजू खान मोबाइल: 09415282000 फोन नं. 0522-2968200 RNI No: UPHIN/2016/67528 Email: statementttodaynews@gmail.com
AgencyChannel: www.statementtodaynews.com
राष्ट्रीय साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखक के विचार व्यक्तिगत हैं किसी भी प्रकार के विवाद के समाधान के लिए न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा। (समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है)

अंधेरा धरा पर कहीं रह न जाए: एस.जे.एस. लालगंज

लालगंज, रायबरेली,संवाददाता। नगर के सर्वश्रेष्ठ व बहुचर्चित अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्थान एस.जे.एस. पब्लिक स्कूल लालगंज में दीपावली का पर्व बहुत ही भव्यता पूर्वक धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती अंजू सिंह द्वारा प्रथम पूज्य गणेश व मां लक्ष्मी जी का माल्यार्पण व पूजन करके किया गया। विद्यालय के छात्रों द्वारा अनेक रंगारंग मनमोहक सामूहिक सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। छात्रों द्वारा रामायण पर आधारित मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री रामचंद्र जी के अयोध्या आगमन व राज्याभिषेक की बहुत ही सजीव, आकर्षक व मनमोहक झांकी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रमों की कड़ी में श्मेरे घर राम आए हैंश तथा श्जय हनुमान ज्ञान गुण सागरश कार्यक्रम सभी के आकर्षण का केंद्र रहे। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक रमेश बहादुर सिंह, प्रबंधक अग्रज सिंह व सह प्रबंधिका डॉ. अनुश्री सिंह ने सर्वप्रथम सभी क्षेत्रवासियों को प्रकाश पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व अंधकार पर प्रकाश की, बुराई पर अच्छाई की और अज्ञानता पर ज्ञान की विजय का संदेश देता है। यह पर्व हमें अपने भीतर नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मकता, आंतरिक ज्ञान और प्रकाश को जगाने के लिए प्रेरित करता है। इसी के साथ ही यह पर्व परिवार और दोस्तों के मिलन और कृतज्ञता को व्यक्त करने का भी प्रतीक है जो सामूहिकता समर्पण और प्रेम को बढ़ावा देता है। दीपों का प्रकाश हमारे जीवन जीने का आदर्श है, हमारे जीवन की दिशा है, संस्कारों की सीख है, संकल्प की प्रेरणा है और लक्ष्य तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम है। दीपावली मनाने की सार्थकता तभी है, जब भीतर का अंधकार दूर हो। अंधकार प्रत्येक जीवन की समस्या है और प्रकाश उस समस्या का समाधान है। अर्थात आप सभी का जीवन दीपों की तरह हमेशा प्रकाशित रहे। उन्होंने सभी से यह अपील की कि सभी लोग दीपावली में अधिक से अधिक स्वदेशी निर्मित सामान से ही दीपावली मनाएं। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजू सिंह ने अपने शुभकामना संबोधन में छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों व समस्त क्षेत्रवासियों को पंच–दिवसीय पर्व दीपोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि लाखों दीपक आपके जीवन को समृद्धि, स्वास्थ्य और धन के साथ हमेशा के लिए रोशन करें। साथ ही उन्होंने सभी से आपस में मिलजुल कर सुरक्षित रहते हुए दीपावली पर्व मनाने की अपील की। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त छात्र–छात्राएं तथा अध्यापक उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय वायु सेना में सर्वश्रेष्ठ वायु सेना विद्यालय घोषित किया

कानपुर,संवाददाता। वायु सेना विद्यालय कानपुर को शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के लिए अखिल भारतीय वायु सेना में सर्वश्रेष्ठ वायु सेना विद्यालय (माध्यमिकध्उच्च माध्यमिक श्रेणी) घोषित किया गया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि 62 वर्षों में पहली बार प्राप्त हुई है। यह मान्यता शैक्षणिक उत्कृष्टता और समग्र विकास के प्रति विद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष, एयर कमोडोर पीके नरेंद्र ने सभी अधिकारियों के निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया और वायु सेना विद्यालय कानपुर के कार्यकारी निदेशक, प्रधानाचार्य, प्रबंधक, शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को बधाई दी।

चलती बस में लगी आग, 50 यात्रियों ने बचाई जान

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे पर गुरुवार रात एक चलती बस में आग लग गई। पंजाब के लुधियाना से आगरा जा रही इस बस में करीब 50 यात्री सवार थे। गनीमत रही कि सभी यात्रियों ने समय रहते बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। बस की छत पर रखे सामान में अचानक भीषण आग लग गई। बताया जा रहा है कि दिवाली की आतिशबाजी के दौरान कोई पटाखा चलती बस की छत पर गिरा, जिससे आग भड़की। आग लगते ही ड्राइवर ने तुरंत बस को एक्सप्रेसवे पर रोका। बस रुकते ही अंदर बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। सभी यात्री तुरंत बस से बाहर निकल आए। बाद में कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से बस की छत पर रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। दनकौर पुलिस के मुताबिक, इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है। दनकौर कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि दिवाली की आतिशबाजी के कारण कोई पटाखा बस की छत पर गिरा, जिससे आग लगी। शिकायत मिलने पर आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैक्टरों से कलेक्ट्रेट पहुंचे किसान,भारतीय किसान यूनियन ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा में भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के कार्यकर्ताओं ने आज जोरदार प्रदर्शन किया। किसान ट्रैक्टरों पर सवार होकर परी चौक से जिला कलेक्ट्रेट तक मार्च निकालते हुए अपनी मांगों को लेकर एक पंचायत आयोजित की। यह प्रदर्शन बीकेयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आह्वान पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में किसानों की लंबित मांगों को लेकर किया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा में यह मार्च पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष पवन खटाना के नेतृत्व में निकाला गया। पवन खटाना ने किसानों की कई लंबित मांगों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव तीन–चार महीने पहले प्रशासन को दिया गया था, लेकिन इसे अभी तक लागू नहीं किया गया। इसके अलावा, किसानों को आवासीय प्लॉट और आबादी निस्तारण भी अभी तक नहीं कराए गए हैं।खटाना ने जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के लिए कई गांवों को विस्थापित किया जा रहा है, लेकिन विस्थापित किसानों को अभी तक उचित लाभ नहीं मिला है। यही सभी मुद्दे उठाते हुए आज किसानों ने प्रदर्शन और पंचायत आयोजित की।

ग्रेटर नोएडा से लापता बच्ची बुलदंशहर से बरामद,12 घंटे के अंदर पुलिस ने खोजा

नोएडा,संवाददाता। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने 8 वर्षीय गुमशुदा बच्ची पायल को महज 12 घंटे में सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस की इस कार्रवाई की पूरे क्षेत्र में सराहना हो रही है। जानकारी के अनुसार, अलीगढ़ जिले के नगला तिकोना गांव निवासी धर्मेंद्र ने मंडी श्याम नगर पुलिस चौकी पर अपनी बेटी पायल के लापता होने की सूचना दी थी। पायल अपनी मौसी रानी के साथ दनकौर थाना क्षेत्र के खेरली हाफिजपुर इलाके में रह रही थी ।

जीएसटी पर जनहित में हुए सुधार को लेकर लालगंज में भाजपा ने आयोजित किया कार्यक्रम

लालगंज रायबरेली,संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी सरेनी विधानसभा क्षेत्र द्वारा आत्मनिर्भर भारत अभियान को लेकर लालगंज विकास खंड प्रांगण में विधानसभा सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें वक्ताओं ने आत्मनिर्भर भारत हेतु सरकार की मंशा एवं जी एस टी पर सरकार द्वारा दी गई रियायतों पर चर्चा की। सम्मेलन के मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्र ने कहा कि भारत को स्वावलंबी, सशक्त एवं आधुनिक राष्ट्र बनाने के लिए आत्मनिर्भर होना आवश्यक है। आत्मनिर्भर भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का एक क्रांतिकारी कदम है। श्री मिश्र ने कहा कि भारत केवल उपभोक्ता देश ही न रहे बल्कि उत्पादक राष्ट्र बने ,यही वर्तमान नेतृत्व की परिकल्पना है। कार्यक्रम संयोजक निवर्तमान विधायक धीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि सरकार के दूरदर्शी व जनकल्याणकारी नीतियों के चलते देश की अधिकांश आबादी लाभान्वित है एवं खुशहाल है। श्री सिंह ने कि आत्म निर्भर होने पर ही भारत विश्व का अग्रणी पूर्ण विकसित राष्ट्र बन सकता है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यकर्ता चन्द्र प्रकाश पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाचार्य केशव सिंह ने की। सम्मेलन को पूर्व जिलाध्यक्ष रामदेव पाल, नगर पंचायत अध्यक्ष डलमऊ बृजेश दत्त गौड़, डलमऊ ब्लाक प्रमुख शिवराम रावत, पूर्व जिलाध्यक्ष रामदेव पाल, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र बहादुर सिंह, समाजसेवी के सी गुप्ता, शिव प्रकाश पाण्डेय, पूर्व ब्लाक प्रमुख कौशलेंद्र सिंह, मण्डल अध्यक्ष लालगंज मनोज अवस्थी, नंदकुमार सिंह सरेनी, प्रदीप लोधी डलमऊ,प्राची शालू सविता बेनीमाधव गंज , विजय कुमार पासवान गेगासो ,महेंद्र पटेल, धनश्याम जायसवाल, कौशलेंद्र प्रताप कंचन,शिवम गुप्ता, धीरेन्द्र सिंह सैरापुर , आयुष सिंह विशाल, देवेन्द्र सिंह, रामप्रताप सिंह, डाक्टर अविनाश कुमार सिंह, संजय बाजपेई, अखिलेश बाजपेई,राजेश कुमार निर्मल सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।